राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्षः 11 अंकः 187 पृष्ठ : 08, नई दिल्ली, मंगलवार, 18 जनवरी 2022 मूल्यः 1.50/-

ख़ास ख़बर

निर्वाचन आयोग को अपनी भूमिका निष्पक्ष रखनी चाहिए : बघेल

रायपुर। उत्तर प्रदेश में चुनाव प्रचार के दौरान प्राथमिकी दर्ज होने को लेकर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि निर्वाचन आयोग को अपनी भूमिका निष्पक्ष रखनी चाहिए। बघेल ने अपने ट्विटर अकाउंट में एक वीडियो जारी कर रविवार को नोएडा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी के प्रचार के दौरान अपने खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने के मामले पर प्रतिक्रिया दी है।

गुजरात के मछुआरे की पाकिस्तानी जेल में अज्ञात कारणों से मौत

वेरावल। पाकिस्तान की एक जेल में कैद गुजरात के 50 वर्षीय मछुआरे की अज्ञात कारणों से मौत हो गई है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। मृतक की पहचान जयंती सोलंकी के रूप में हुई है। वह गीर-सोमनाथ जिले के सूत्रपाड़ा गांव का रहने वाला था। पाक प्राधिकारियों ने बीते साल अरब सागर से कुछ अन्य मछुआरों के साथ गिरफ्तार किया था।

सीएम केजरीवाल प्रवासी पक्षी हैः सिद्धू

अमृतसर। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने आप के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल को प्रवासी पक्षी बताते हुए कहा कि वह अनेक राज्यों में जाकर झूठे वादे करके लोगों को लुभाते हैं और कभी-कभी दिल्ली वापस आते हैं। केजरीवाल पंजाब की जनता के साथ झूठे वादे कर रहे हैं। उनके पास राज्य के लिए कोई रूपरेखा नहीं है।

जरा हट के... बग्गा

बिरजू महाराज : राजनीति, कला जगत ने असाधारण कलाकार बताया

एजेंसी ■ नई दिल्ली/मुंबई

दिग्गज कथक नर्तक बिरजू महाराज के निधन पर सभी क्षेत्र के लोगों ने शोक व्यक्त किया है। राजनीतिक क्षेत्र से जहां राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उप राष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें श्रद्धांजलि दी वहीं, फिल्म उद्योग एवं कला जगत के लोगों ने कथक के महानतम दूत को याद किया। महाराज जी के नाम से विख्यात, बिरजू महाराज का सोमवार को तड़के नई दिल्ली स्थित अपने घर पर निधन हो गया। वह अगले महीने 84 वर्ष के होने वाले थे।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि बिरजू महाराज का निधन एक युग की समाप्ति है। कोविंद ने ट्वीट किया, दिग्गज पंडित बिरजू महाराज का निधन एक युग के अंत का प्रतीक है। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने कहा कि बिरजू महाराज के निधन से कला जगत को भारी क्षति हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उनका जाना संपूर्ण कला जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है।कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्वीट किया कि भारतीय शास्त्रीय नृत्य के क्षेत्र में बिरजू महाराज का योगदान अतुलनीय है और इसके लिए हमेशा उन्हें याद किया जाएगा।

अभिनेत्री माधुरी दीक्षित ने कहा कि वह एक दिग्गज थे, लेकिन उनमें एक बच्चे जैसी मासूमियत थी। दीक्षित ने बिरजू महाराज से प्रशिक्षण लिया था और उनके मार्गदर्शन में फिल्म देवदास के गीत काहे छेड़े मोहे पर नृत्य किया था। नर्तकी हेमा मालिनी ने ने लिखा, अंतिम सांस तक उनके पांव में घुंघरू रहे। मैंने हमेशा उनकी प्रशंसा की एवं उनका सम्मान किया।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव में भाजपा को हराने वाली पार्टियों को सहयोग देगी माकपा : येचुरी

■ भोपाल

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव सीताराम एचुरी ने सोमवार को कहा कि पांच राज्यों में फरवरी-मार्च में होने वाले विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी इन राज्यों में भाजपा को हराने वाली पार्टियों के साथ खड़ी होगी। पार्टी की मध्य प्रदेश स्तरीय सम्मेलन में भाग लेने राज्य की राजधानी भोपाल आए एचुरी ने संवाददाता सम्मेलन में भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा एवं मणिपुर में होने वाले विधानसभा चुनाव में माकपा का लक्ष्य यही होगा कि भाजपा को हराना है और उसे सत्ता से दूर रखना है।

उन्होंने कहा कि इसलिए माकपा इन पांचों राज्यों में उन पार्टियों को सहयोग देगी जो भाजपा को इन चुनावों में पराजित कर सकती हैं। येचुरी ने बताया , इस संबंध में हम बाकी वामपंथी पार्टियों से भी हम चर्चा में हैं और सीटों पर तालमेल करेंगे। समाजवादी पार्टी से भी हम बातचीत करेंगे। उन्होंने कहा कि इन पांचों राज्यों में गैर भाजपा वोटों के बीच में बंटवारा न हो या कम से कम बंटवारा हो, इसके लिए माकपा पूरा प्रयास करेगी और उस तरह से पार्टी गठबंधन करेगी।

माकपा के महासचिव सीताराम येचुरी ने कहा कि पांच राज्यों में फरवरी-मार्च में होने वाले विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी इन राज्यों में भाजपा को हराने वाली पार्टियों के साथ खड़ी होगी।

एचुरी ने उदाहरण देते हुए बताया कि जैसे उत्तरप्रदेश में समाजवादी पार्टी ही भाजपा को टक्कर दे सकती है, इसलिए माकपा वहां पर समाजवादी पार्टी का समर्थन करेगी। एचुरी ने दावा कि उत्तरप्रदेश में दिन-प्रतिदिन भाजपा विरोधी माहौल बन रहा है।

उन्होंने कहा कि आज भारत को बचाना है और आने वाले दिनों में लोगों के लिए बेहतर भारत का निर्माण करना है तो आज भाजपा को राजनीतिक स्तर पर हराना है और उसे सत्ता से दूर रखना है।

भारत ने दुनिया को दिया उम्मीदों का गुलदस्ता

दावोस एजेंडा में वीडियो कांफ्रेंस को पीएम ने किया संबोधित

■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि कोरोना संक्रमण काल में भारत ने पूरी दुनिया को उम्मीदों का गुलदस्ता जैसा एक खूबसूरत उपहार दिया है, जिसमें भारतीयों का लोकतंत्र पर अटूटा विश्वास, 21वीं सदी को सशक्त करने वाली प्रौद्योगिकी, भारतीयों का मिजाज और उनकी प्रतिभा शामिल है।विश्व आर्थिक मंच के दावोस एजेंडा में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से विश्व की वर्तमान स्थिति (स्टेट ऑफ द वर्ल्ड) पर अपने विशेष संबोधन में प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि कोरोना के इस समय में भारत वन अर्थ, वन हेल्थ की दृष्टि पर चलते हुए अनेकों देशों को जरूरी दवाइयां और टीके देकर करोड़ों जीवन बचा रहा है।उन्होंने कहा, आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा दवा उत्पादक है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जब से कोरोना महामारी की शुरुआत हुई तब से भारत में 80 करोड़ लोगों को मुफ्त में भोजन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, शायद दुनिया में इस प्रकार का यह सबसे बड़ा कार्यक्रम होगा। हमारी कोशिश है कि संकट के कालखंड में गरीब से गरीब की चिंता सबसे पहले हो। इस दौरान हमने सुधार पर भी जोर दिया। सुधार के लिए हमारे कदमों को लेकर दुनिया के अर्थशास्त्री भी भरपूर सराहना कर रहे हैं। भारत बहुत मजबूती से आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत पूरी सजगता और सतर्कता से कोरोना की एक और लहर से आज मुकाबला कर रहा है लेकिन इसके बावजूद आर्थिक क्षेत्र में भी आशावादी परिणामों के साथ वह आगे बढ़ रहा है।उन्होंने कहा, भारत में आज अपनी आजादी के 75 वर्ष होने का उत्साह भी है और भारत आज सिर्फ एक साल में ही 160 करोड़ कोरोना रोधी खुराक देने के आत्मविश्वास से भी भरा हुआ है।

उन्होंने कहा, भारत जैसे मजबूत लोकतंत्र ने पूरे विश्व को एक खूबसूरत उपहार दिया है और वह उपहार है बुके ऑफ होप। इस बुके में है हम भारतीयों का लोकतंत्र पर अटूट विश्वास। इस बुके में है 21वी सदी को सशक्त करने वाली प्रौद्योगिकी। इस बुके में है हम भारतीयों का टेंपरामेंट और हम भारतीयों की प्रतिभा। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक माहौल में भारतीय रहते हैं, वह भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व की बहुत बड़ी ताकत है और यह ताकत संकट की घड़ी में सिर्फ अपने लिए सोचना नहीं बल्कि मानवता के हित में काम करना सिखाती है। उन्होंने कहा, वन अर्थ, वन हेल्थ की दृष्टि पर चलते हुए अनेक देशों को हम जरूरी दवाइयां देकर, टीके देकर करोड़ों जीवन बचा रहे हैं। आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा फार्मा प्रोड्यूसर है.. फार्मेसी टू वर्ल्ड है। आज भारत उन देशों में है, जहां के स्वास्थ्य पेशेवर, जहां के डॉक्टर अपनी संवेदनशीलता और विशेषज्ञता से सबका भरोसा जीत रहे हैं।

यह वर्चुअल कार्यक्रम 17 से 21 जनवरी, 2022 तक आयोजित किया जा रहा है। जापान के प्रधानमंत्री किशिदा फुमियो, यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष उर्सुआ वॉन डेर लेएन, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो, इज़राइल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग सहित विभिन्न राष्ट्राध्यक्ष भी इस कार्यक्रम को संबोधित करेंगे।

यूपी में कांग्रेस-सपा के पूर्व विधायकों समेत कई नेता भाजपा में शामिल

■ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायकों समेत कई नेताओं ने सोमवार को उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के मुख्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति विश्वास व्यक्त करते हुए पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा राज्य मुख्यालय में उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को विपक्षी दलों से आए नेताओं को भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई और पटका पहनाकर उनका स्वागत किया। उत्तर प्रदेश भाजपा के सह मीडिया प्रभारी हिमांशु दुबे ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष व पूर्व विधायक दलजीत सिंह, समाजवादी पार्टी की पूर्व विधायक रश्मि आर्या (मऊरानीपुर-झांसी), पूर्व दर्जा मंत्री व बहुजन समाज पार्टी के झांसी व चित्रकूट मंडल के जोनल संयोजक ब्रजमोहन सिंह कुशवाहा, जनवादी पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतएंद्र चौहान (आजमगढ़) और फुर्खाबाद के कायमगंज क्षेत्र की पूर्व प्रत्याशी डॉक्टर सुरभि ने अपने समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता ग्रहण कराने के बाद उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने पार्टी में आए नेताओं का स्वागत करते हुए अपने संबोधन में कहा कि इस बार फिर भाजपा 300 से ज्यादा सीटों पर कमल खिलाएगी (जीतेगी) और प्रदेश में फिर से भाजपा की सुशासन की सरकार बनाएंगे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के अन्न संकल्प और किसानों के हितैषी होने के दावे पर तंज कसते हुए मौर्य ने कहा कि सपा सरकार में गन्ना किसानों का भुगतान नहीं होता था, बिजली नहीं आती थी।

भाजपा राज्य मुख्यालय में उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विपक्षी दलों से आए नेताओं को भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई।

तीसरा समुद्री परीक्षण पूरा कर कोच्चि बंदरगाह लौटा आईएसी विक्रांत

कोच्चि। भारत का पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत (आईएसी) विक्रांत अपना तीसरा समुद्री परीक्षण पूरा करने के बाद कोच्चि बंदरगाह लौट आया है। एक रक्षा प्रवक्ता ने सोमवार को यहां यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने कहा, "आईएसी 16 जनवरी (रविवार) को समुद्री परीक्षणों से लौटा, जिसमें बड़ी पोत प्रणालियों का संचालन और परीक्षण किया गया था तथा पोत में लगे विभिन्न उपकरणों पर प्रशिक्षण दिया गया।" उन्होंने कहा कि परीक्षण आंकड़े का विश्लेषण अब पोत पर अनिवार्य निरीक्षण और शेष कार्य के साथ किया जाएगा। आईएसी ने गहरे समुद्र में जटिल कौशल अभ्यास करने के लिए नौ जनवरी को अपना समुद्री परीक्षण शुरू किया था। इस पोत को अगस्त में नौसेना में शामिल किए जाने का कार्यक्रम है।

मुंबई में कोविड-19 के 5,956 नए मामले

मुंबई। मुंबई में सोमवार को कोविड-19 के 5,956 नए मामले सामने आए, जिनकी संख्या पिछले दिन के मुकाबले 1,939 कम रही। शहर में अब तक संक्रमण के 10,05,818 मामले सामने आ चुके हैं।

बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) ने स्वास्थ्य बुलेटिन में कहा कि मुंबई में पिछले 24 घंटे में 12 मरीजों की मौत के साथ ही शहर में इस घातक वायरस से अब तक 16,469 लोगों की मौत हो चुकी है। मुंबई में इससे पहले 29 जुलाई 2021 को एक दिन में कोविड-19 के 13 मरीजों की मौत हुई थी।

पंजाब विधानसभा के लिए चुनाव अब 20 फरवरी को

■ नई दिल्ली

राज्य सरकार और विभिन्न राजनीतिक दलों की मांग को स्वीकार करते हुए निर्वाचन आयोग ने सोमवार को पंजाब में गुरु रविदास जयंती के मद्देनजर विधानसभा चुनाव 14 फरवरी के बजाय 20 फरवरी को एक चरण में कराने का फैसला किया।

पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, भाजपा व उसके सहयोगियों, बसपा और अन्य संगठनों ने चुनाव आयोग से मतदान की तारीख स्थगित करने का आग्रह किया था क्योंकि गुरु रविदास के लाखों अनुयाई 16 फरवरी को उनकी जयंती मनाने के लिए उत्तर प्रदेश के वाराणसी जाते हैं। चुनाव आयोग ने एक बयान में कहा कि अब चुनाव 20 फरवरी को होंगे। इस दिन उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए तीसरे चरण का मतदान भी होना है।पार्टियों ने कहा था कि गुरु रविदास के बहुत से अनुयाई 14 फरवरी को अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं कर पाएंगे क्योंकि वे उत्सव के लिए यात्रा करेंगे।निर्वाचन आयोग के सूत्रों ने कहा कि ऐसे उदाहरण हैं जब चुनाव आयोग ने चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद विधानसभा चुनावों और उपचुनावों को पुनर्निर्धारित किया है।आयोग ने अक्टूबर 2013 में मिजोरम में नवंबर 2013 में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए कुछ तारीखों में बदलाव किया था।मिजोरम में अप्रैल 2014 में फिर से एक उप-चुनाव पुनर्निर्धारित किया गया था और उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के चरण एक की तारीख मार्च 2012 में इसी तरह के कारणों से बदल दी गई थी, जिसमें मतदाताओं की धार्मिक मान्यताओं और तत्कालीन कानून-व्यवस्था की स्थिति शामिल थी। निर्वाचन आयोग के बयान में कहा गया है कि उपलब्ध कराए गए सभी तथ्यों पर विचार करने के बाद, उसने आठ जनवरी को पंजाब विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा की थी, जिसके तहत चुनाव की अधिसूचना 21 जनवरी को जारी की जानी थी।

आयोग के निर्णय का राजनीतिक दलों ने किया स्वागत

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री ने कहा कि वह इस फैसले का स्वागत करते हैं क्योंकि इससे राज्य, खासकर दोआबा क्षेत्र से बड़ी संख्या में अनुयाई गुरु रविदास की जयंती मनाने के लिए वाराणसी जा सकेंगे। शिअद अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने कहा, हमने चुनाव आयोग से मतदान की तिथि आगे बढ़ाने का आग्रह किया था और हम चुनाव आयोग के फैसले का स्वागत करते हैं। बादल की पार्टी अगले महीने होने वाला विधानसभा चुनाव बसपा के साथ गठबंधन में लड़ रही है।पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने भी इस फैसले का स्वागत किया है।

अखिलेश के अन्न संकल्प पर भाजपा का पलटवार

■ लखनऊ

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर किसानों का उत्पीड़न करने का आरोप लगाते हुए अन्न संकल्प लिया कि वे उसे चुनाव में हराएंगे और सत्ता से हटाएंगे। भारतीय जनता पार्टी ने यादव के अन्न संकल्प पर पलटवार करते हुए कहा कि हाथ में गन लेकर घूमने वाले आज हाथ में अन्न लेकर किसानों का हितैषी बनने का ढोंग कर रहे हैं।

सपा के मुख्यालय में आयोजित अन्न संकल्प कार्यक्रम के दौरान सपा प्रमुख यादव ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा, हम सभी लोग संकल्प लेते हैं कि जिन्होंने किसानों पर अत्याचार और अन्याय किया है, उनको हराएंगे और हटाएंगे, यह हमारा अन्न संकल्प है। हमारी अपील है कि किसान अन्नदाता भारतीय जनता पार्टी को हराएं और हटाएं, इस अन्न संकल्प से जुड़ें और इस फैसले को आगे बढ़ाएं। सपा कार्यालय में अन्न संकल्प के कुछ ही देर बाद भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने सोमवार को ट्वीट किया हाथ में गन लेकर घूमने वाले आज हाथ में अन्न लेकर किसान हितैषी बनने का ढोंग कर रहे है। भाजपा प्रदेश प्रमुख ने आगे कहा कि इनके (अखिलेश यादव) सपा शासन में हमारे किसान भाई रात को अपने खेत पर जाने से भी घबराते थे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा सभी फसलों के लिए एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) प्रदान की जाएगी और गन्ना किसानों को 15 दिन में उनका भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा। इसके लिए फार्मर्स रिवाल्विंग फंड बनाने का काम करेंगे।

भाजपा से मुक्ति पाना अंग्रेजों से आजादी पाने से ज्यादा बड़ी बातः महबूबा

जम्मू। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर विभिन्न समुदायों में नफरत के बीज बोने का आरोप लगाते हुए पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को कहा कि भाजपा से छुटकारा पाना ब्रिटिश शासन से आजादी पाने से ज्यादा बड़ी बात होगी। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि भाजपा के शासन में जम्मू कश्मीर का अस्तित्व खतरे में है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी अपने विरोधियों को डराने के लिए सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है और युवाओं को बिना डरे प्यार तथा दोस्ती फैलाकर देश के सामने मौजूद चुनौतियों का मुकाबला करना चाहिए।मुफ्ती ने यहां अपनी पार्टी के आदिवासी युवा सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, उन्होंने देश को बर्बाद कर दिया है। मौजूदा हालात में लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और उन्हें पता नहीं कि वे कल जीवित रहेंगे या नहीं। ईडी और अन्य सरकारी एजेंसियों द्वारा विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी और उनके खिलाफ छापे रोज की बात हो गई है और जम्मू कश्मीर के हालात बाकी देश से अधिक खराब हैं। पीडीपी नेता ने कहा, इतिहास एक बार मौका देता है।

मानव संसाधन प्रबंधन पाठ्यक्रम के अंतिम प्लेसमेंट का छात्र

आईआईएम इंदौर के विद्यार्थी को 36.4 लाख रुपए की पगार का प्रस्ताव

■ इंदौर

इंदौर के भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम-आई) के मानव संसाधन प्रबंधन पाठ्यक्रम के अंतिम प्लेसमेंट के दौरान एक कंपनी ने एक विद्यार्थी को 36.4 लाख रुपए की सालाना पगार की सबसे उंची पेशकश की है। यह पिछले सत्र के मुकाबले करीब 51.5 प्रतिशत ज्यादा है। आईआईएम-आई के एक अधिकारी ने संस्थान के दो वर्षीय पोस्ट ग्रैजुएट प्रोग्राम इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट (पीजीपी-एचआरएम) पाठ्यक्रम का अंतिम प्लेसमेंट संपन्न होने के बाद सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि देश में कोविड-19 की तीसरी लहर को देखते हुए अंतिम प्लेसमेंट वीडियो कॉन्फ्रेंस से संपन्न हुआ। अधिकारी के मुताबिक इस दौरान नियोक्ताओं के रूप में शामिल 20 से ज्यादा देशी-विदेशी कंपनियों ने पीजीपी-एचआरएम के कुल 35 विद्यार्थियों को औसत आधार पर रिकॉर्ड 20.46 लाख रुपए के वेतन प्रस्ताव दिए और यह आंकड़ा पिछले साल के औसत पगार पैकेज के मुकाबले 12 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने बताया कि अंतिम प्लेसमेंट प्रक्रिया में हीरो फिनकॉर्प, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा एएमसी, ब्रिसलकोन, कैपजेमिनी, आईबीएम, लोहिया कॉर्प और हैबर के साथ ही गलादरी ब्रदर्स (दुबई) और डीसीएम श्रीराम जैसी कंपनियां भी शामिल हुईं। अधिकारी ने बताया कि पिछले साल आईआईएम-आई के पीजीपी-एचआरएम पाठ्यक्रम के अंतिम प्लेसमेंट के दौरान सालाना पगार की सबसे उंची पेशकश 24 लाख रुपए के स्तर पर रही थी।

सार समाचार

17 साल पहले भारत छोड़ चीन आ गए थे देव रतूड़ी, 8 दिनों से अपने अपार्टमेंट में परिवार के साथ है बंद

बीजिंग। चीन में बढ़ते कोरोना के मामलों के बीच सरकार ने अपने ही लोगों के लिए एक कठोर कदम उठाया है। बता दें कि, चीन के जियान में निवासियों को अपने अपार्टमेंट ब्लॉक तक ही रहने के आदेश जारी कर दिए गए। इस बीच लोगों को केवल किराना का सामान और जरूरत का सामान लेने के ही लोगों को बाहर निकलने की इजाजत दी गई थी। लेकिन अब जैसे ही कोरोना के मामले 2000 के पार हुए वैसे ही शहर के 13 मिलियन निवासियों को घर पर रहने के आदेश दे दिए गए। भारत के देव रतूड़ी भी इन निवासियों में से एक है जो आठ दिनों से अपने अपार्टमेंट से बाहर नहीं निकले हैं। वह चाहकर भी ऐसा नहीं कर सकते। देव के अलावा उनकी पत्नी और दो छोटे बच्चे उनके साथ अंदर कमरे में ही सील है। बता दें कि, उनके दरवाजे के बाहर एक सफेद टेप चिपका दिया गया है और शनिवार शाम तक, उन्हें यह नहीं बताया गया कि वह कब अपने घर से निकल सकते है।

देव रतूड़ी

एक वीडियो में देव ने कहा कि, यह काफी मुश्किल रहा है। अपने अपार्टमेंट में सील होकर रहना। वहीं जो हमारे लिए हर दिन सब्जियां, चावल, भोजन पहुंचाने का काम कर रहे है उनके लिए भी यह आसान नहीं है। रतूड़ी का परिवार इस समय चीन के शहर जियान में रह रहा है जो कि कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित शहरों में से एक है। उत्तराखंड में जन्मे देव 17 साल पहले चीन चले गए थे और वहां वेटर का काम करने लगे। आज, वह जियान में पांच रेस्तरां के मालिक हैं और फिल्म में भी काम करते हैं, और कई चीनी टेलीविजन नाटकों और फिल्मों में अपनी भूमिकाओं के लिए प्रसिद्धि प्राप्त की है। देव ने 20 से अधिक फिल्मों में काम किया है। उन्हें फिल्म माई रूममेट इज ए डिटेक्टिव से पहचान मिली। देव का अगला मिशन चीन के जियान में चीन का पहला भारतीय थीम वाला बुटीक होटल खोलना है वह एक योग स्थान भी खोल रहे है और जियान के बाहर आधा दर्जन शहरों में अपने रेस्तरां को फिर से खोलने की योजना बना रहे है, जिन्हें अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था क्योंकि उनके सभी कर्मचारी भारत के लिए रवाना हो गए थे।

चीन के जीरो कोविड पॉलिसी से बढ़ रहा विवाद

बता दें कि, चीन के सरकार ने जीरो कोविड पॉलिसी पर एक बहस छिड़ गई है। लोगों को लोहे का बक्सों में बंद कर देना यह दशार्ता है कि तीन अपने लोगों के साथ कितना अत्याचार कर रहा है।

तालिबान ने लड़कियों के लिये जल्द स्कूल खोलने का जताया संकल्प

काबुल। अफगानिस्तान के नए तालिबान शासकों का कहना है कि वे मार्च के अंत में देश भर में लड़कियों के लिए सभी स्कूल खोलने की उम्मीद करते हैं। तालिबान के एक प्रवक्ता ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय की एक प्रमुख मांग के संदर्भ में शनिवार को 'एसोसिएटेड प्रेस' से पहली बार इस बारे में एक तय समयसीमा साझा की। अगस्त के मध्य में तालिबान के देश पर कब्जे के बाद से अफगानिस्तान के अधिकतर इलाकों में लड़कियों को सातवीं कक्षा के बाद स्कूल जाने की अनुमति नहीं दी गई है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय तालिबान द्वारा संचालित सरकार को औपचारिक रूप से मान्यता देने का इच्छुक नहीं दिखता और उसे डर है कि वे उसी तरह के कठोर उपाय लागू कर सकते हैं जैसे कि उनके पिछले शासन के दौरान 20 साल पहले लागू थे। उस समय महिलाओं को शिक्षा, काम और सार्वजनिक जीवन से प्रतिबंधित कर दिया गया था। तालिबान के संस्कृति और सूचना उपमंत्री जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि उनका शिक्षा विभाग 21 मार्च से शुरू होने वाले अफगान नव वर्ष के बाद सभी लड़कियों और महिलाओं के लिए कक्षाएं खोलना चाहता है। अफगानिस्तान, पड़ोसी ईरान की तरह इस्लामी सौर हिजरी शम्सी कैलेंडर को मानता है। मुजाहिद ने एक साक्षात्कार में कहा कि लड़कियों और महिलाओं के लिए शिक्षा 'क्षमता का सवाल है।' उन्होंने कहा कि लड़कियों और लड़कों के लिए स्कूलों में पूरी तरह से अलग प्रबंध होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अब तक की सबसे बड़ी बाधा पर्याप्त छात्रावास ढूंढना या बनाना है जहां लड़कियां स्कूल जाते समय रह सकें। उन्होंने कहा कि घनी आबादी वाले इलाकों में लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग कक्षाएं होना ही पर्याप्त नहीं है, अलग-अलग स्कूल भवनों की जरूरत है। मुजाहिद ने कहा, 'हम लड़कियों की शिक्षा के खिलाफ नहीं हैं।' तालिबान के आदेशों में अब तक एकरूपता नहीं रही है और वे प्रांत-दर-प्रांत बदलते रहते हैं। देश के 34 प्रांतों में से लगभग 10 को छोड़कर, कक्षा सात के बाद के सरकारी स्कूलों में लड़कियों को कक्षाओं में जाने की अनुमति नहीं है। राजधानी काबुल में निजी विश्वविद्यालयों और हाई स्कूलों का संचालन हालांकि निर्बाध रूप से जारी है। अधिकांश छोटे समूहों में लड़कों और लड़कियों को हमेशा अलग किया जाता है। मुजाहिद ने कहा, 'हम आने वाले साल तक इन समस्याओं को दूर करने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि स्कूल और विश्वविद्यालय खुल सकें।

मस्क 2050 तक दूसरे ग्रह पर बसाएंगे इंसानों की बस्ती, ताकि प्रलय की स्थिति में भी बचा रहे अस्तित्व

वॉशिंगटन । दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी स्पेसएक्स और टेस्ला के मालिक एलन मस्क मानव प्रजाति को बहुग्रहीय बनाना चाहते हैं। इसका मतलब यह हुआ कि वह धरती के अलावा दूसरे ग्रहों पर भी इंसानों की बस्ती बसाना चाहते हैं। इसके लिए मस्क की पहली पसंद मंगल ग्रह है, जहां उन्होंने 2050 तक इंसानों की बस्ती बसाने की योजना बनाई है। अपनी इस योजना के समर्थन में एलन मस्क के पास ढेर सारे तर्क हैं। हाल ही में उन्होंने ट्विटर पर लिखा कि अगर मानव प्रजाति को विलुप्त होने से बचाना है, तो उसे बहुग्रहीय बनाना होगा।

पूरा मामला एक रिपोर्ट को लेकर शुरू हुआ, जिसमें कहा गया है कि बड़े पैमाने पर प्राकृतिक घटनाओं के कारण पृथ्वी पर जीवन का इतिहास पांच सामूहिक जैव विविधता विलुप्ति की घटनाओं का गवाह रहा है। आज कई विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि एक छठा सामूहिक विलुप्ति संकट आने वाला है, जिसके लिए इस बार पूरी तरह से मानवीय गतिविधियां जिम्मेदार होंगी। एलन मस्क सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं। उन्होंने इस रिपोर्ट के नीचे कमेंट करते हुए लिखा जब तक हम मानव प्रजाति को बहुग्रहीय नहीं बना लेते, तब तक इस बात की सौ प्रतिशत संभावनाएं हैं कि सूर्य के विस्तार के चलते 'सभी' प्रजातियां विलुप्त हो सकती हैं। यह पहली बार नहीं है मस्क ने दुनिया के खत्म होने की चेतावनी दी हो। इससे पहले अमेरिकी अरबपति बिजनेसमैन ने घटती जन्म दर के कारण वैश्विक जनसंख्या पर भी अपनी चिंता जताई है। धरती के सबसे अमीर शख्स और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क इंसानों को मंगल ग्रह पर ले जाने का सपना देखते हैं। मंगल को लेकर उनका जुनून किसी से छिपा नहीं है। अक्सर अपने ट्वीट में बयानों में वह अपने मिशन को लेकर भविष्यवाणियां करते रहते हैं। मंगल पर एलन मस्क की बसाई दुनिया का हिस्सा सिर्फ मानव ही नहीं होंगे, बल्कि वह अन्य प्राणियों को भी लाल ग्रह की सैर करवाना चाहते हैं।

कनाडा में एक इमारत में लगी आग को बुझाते हुए दमकलकर्मी।

लेडी अलकायदा से मशहूर आफिया सिद्दीकी को रिहा करवाने के लिए आतंकियों ने अमेरिका में किया हमला, 4 लोगों को बनाया बंधक

संयुक्त राष्ट्र। अमेरिका के टेक्सास में एक पाकिस्तानी आंतकी ने यहूदी मंदिर पर हमला कर चार लोगों को बंधक बना लिया है। इन यहूदियों के बदले उसने आफिया सिद्दीकी को रिहा करने की मांग की है। वहीं एफबीआई और स्थानीय पुलिस ने शनिवार रात एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि, सभी बंधक सुरक्षित हैं।अधिकारियों ने कहा कि बंधक बनाने वाला एक शूटिंग में मारा गया है।टेक्सास सरकार ग्रेग एबॉट ने रात करीब 9:35 बजे ट्वीट किया कि सभी बंधक सुरक्षित है। टेक्सास के सिनेगॉग में आफिया सिद्दीकी को दो महीने से बंधक बनाया हुआ है। कानून प्रवर्तन अधिकारियों के अनुसार, बंधक बनाने वाले ने पाकिस्तानी वैज्ञानिक अफिया सिद्दीकी की रिहाई की मांग की है।

लेडी अलकायदा- आफिया सिद्दकी

आफिया सिद्दीकी को लेडी अल-कायदा के नाम से भी जाना जाता है। वह एक पाकिस्तानी नागरिक है जिसे 2010 में न्यूयॉर्क सिटी फेडरल कोर्ट ने अमेरिकी सैन्य कर्मियों को मारने के प्रयास के लिए दोषी ठहराया था। वह वर्तमान में टेक्सास के फोर्ट वर्थ में फेडरल मेडिकल सेंटर, कार्सवेल में 86 साल की सजा काट रही है।सिद्दीकी ने अफगानिस्तान में अमेरिकी एजेंटों और सैन्य अधिकारियों को मारने की कोशिश की थी।

अफगान में तालिबान के कब्जे से प्रेरित हो सकता है पाकिस्तान का हिंसक विद्रोह

इस्लामाबाद (एजेंसी)

तालिबान के मसीहा और समर्थक पाकिस्तान में भी इन दिनों अस्थिरता से जूझ रहा है। पिछले साल अगस्त में अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया, पड़ोसी पाकिस्तान में सरकारी अधिकारियों, सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों और कट्टर मौलवियों ने आतंकवादी समूहों की सत्ता में वापसी का जश्न मनाया। पर्यवेक्षकों ने चेतावनी दी थी कि तालिबान द्वारा अफगानिस्तान पर जबरन कब्जा करना पाकिस्तान को हिंसक विद्रोह के लिए प्रेरित कर सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि उन आशंकाओं को अब महसूस किया गया है, क्योंकि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), जिसे पाकिस्तानी तालिबान भी कहा जाता है, ने हाल के महीनों में अपने हमले तेज कर दिए हैं। इस्लामाबाद को एक और झटका देते हुए अफगान तालिबान एक करीबी वैचारिक और संगठनात्मक सहयोगी टीटीपी पर नकेल कसने को तैयार नहीं है। 2014 में एक बड़े पाकिस्तानी सैन्य हमले ने देश की कबायली पट्टी से कई आतंकवादियों को सीमा पार से अफगानिस्तान की ओर खदेड़ दिया। विश्लेषकों का कहना है कि अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे ने टीटीपी को और मजबूत किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले साल अगस्त में अफगानिस्तान से विदेशी सैनिकों की वापसी ने इस क्षेत्र में अमेरिकी हवाई हमलों को काफी कम कर दिया, जिससे कि टीटीपी अधिक स्वतंत्र रूप से संचालित हो सके।

टीटीपी लड़ाकों ने अमेरिका निर्मित आग्नेयास्त्रों सहित परिष्कृत हथियार भी प्राप्त किए हैं, जिन्हें उनके अफगान सहयोगियों ने अफगानिस्तान की पराजित सशस्त्र बलों से जब्त कर लिया था। वार्ता विफल होने के बाद से टीटीपी ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के खिलाफ घातक हमलों को अंजाम दिया है। आतंकवादी समूह ने 30 दिसंबर, 2021 को उत्तरी वजीरिस्तान कबायली जिले में चार पाकिस्तानी सैनिकों की हत्या की जिम्मेदारी ली थी। एक दिन पहले, उसी जिले में एक पुलिस अधिकारी को मोटरसाइकिल सवार सशस्त्र आतंकवादियों द्वारा मार दिया गया था। पाकिस्तान के सुरक्षा विशेषज्ञ अब्दुल बासित का कहना है कि टीटीपी इस्लामाबाद को संकेत दे रहा है कि वह मजबूत स्थिति में है। बासित का कहना है कि टीटीपी ज्यादातर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों को निशाना बनाता है और वैश्विक से स्थानीय जिहादी घटनाओं की तरफ बढ़ गया है।

टोंगा में समुद्र के भीतर ज्वालामुखी विस्फोट, 20 किमी दूर से दिखा राख का गुबार, सुनामी का अलर्ट जारी

टोक्यो (एजेंसी)

पॉलिनेशियन देश टोंगा आईलैंड पर समुद्र के भीतर भीषण ज्वालामुखी विस्फोट हुआ। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि इसकी राख का गुबार 20 किमी. दूर से भी नजर आई। टोंगा में राख और पत्थरों के छोटे टुकड़ों की बारिश हुई। ज्वालामुखी विस्फोट के बाद सुनामी का अलर्ट जारी किया गया है। अमेरिका और जापान ने पैसिफिक कोस्टलाइंस पर मौजूद लोगों को तट से जितना हो सके, उतनी दूर जाने की सलाह दी है। जापान ने चेतावनी दी है कि तीन-तीन मीटर ऊंची लहरें उठ सकती हैं।

अमेरिका ने तेज धाराओं और लहरों और तटीय बाढ़ की चेतावनी जारी की है। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए विडियो में बड़ी लहरें तटीय क्षेत्रों में किनारों को पार करते दिख रही हैं। इन लहरों के कारण नुकसान कितना हुआ है और किसी के हताहत होने की भी फिलहाल कोई जानकारी नहीं मिली है, क्योंकि इस छोटे देश के साथ संपर्क और संचार सेवाएं उतनी अच्छी नहीं हैं।

टोंगा मौसम विज्ञान सेवाओं ने बताया कि पूरे टोंगा के लिए सुनामी की चेतावनी लागू की गई है। निकटवर्ती फिजी और समोआ में भी प्राधिकारियों ने चेतावनी जारी की है। साथ ही लोगों को खतरनाक लहरों के मद्देनजर समुद्र तट के नजदीक जाने से बचने की हिदायत दी है। पुलिस और सैन्य बलों के एक काफिले ने टोंगा के राजा टुपो षष्टम को समुद्र तट के पास स्थित उनके महल से बाहर निकालकर सुरक्षित ऊपरी इलाकों में ले जाया गया है। वैज्ञानिकों ने शुक्रवार तड़के ज्वालामुखी के सक्रिय होने के बाद बड़े पैमाने पर विस्फोट, गरज और बिजली गिरने की घटनाएं देखीं।

कोरोना लॉकडाउन- चीन का नागरिकों पर अत्याचार, क्वारंटीन शिविरों में कैद बच्चे, बुजुर्ग और गर्भवती महिलाएं

बीजिंग (एजेंसी)

महामारी कोरोना के घातक वायरस के कथित जनक कहलाने वाला चीन एक बार फिर इसके बदले स्वरूप में प्रकोप है और इसको रोकने के लिए चीन जीरो कोविड पॉलिसी पर जोर दे रहा है। इसके लिए चीनी सरकार सभी हदें पार करने के लिए भी तैयार है। फिर चाहे लोगों को घरों में कैद करना हो या फिर स्टील के बक्से में रखना। चीनी सरकार की ओर से दावा किया जा रहा है कि शियाल में कोरोना का प्रकोप 5 जनवरी के बाद से अब काबू में है। हालांकि सरकार की ओर से नियमों को और ज्यादा कड़ा कर दिया गया है। लोग अभी भी अपने घरों से वापस नहीं निकल पा रहे हैं। हालत ये है कि लोगों के पास खाने जैसी मूलभूत चीजें भी खत्म हो गई हैं और त्राहि-त्राहि कर रहे हैं।

9 जनवरी को एक लोकल समाचार एजेंसी से बात करते हुए शियान की एक निवासी ने कहा कि मैं कभी कोरोना पॉजिटिव हुई ही नहीं। तो फिर मेरा दरवाजा क्यों सील कर दिया गया है। कोई जियायिंग ने कहा कि हमारे आवासीय परिसर को 21 दिनों के लिए बंद कर दिया गया है। लॉकडाउन के कुछ दिनों में मैंने खुद को सांत्वना दी लेकिन बाद में मैं निराश हो गई और आज मैं पागल हो गई। उन्होंने बताया कि बीते तीन दिनों में वे और उनके पति सिर्फ थोड़ा सा खाना ही खरीद पाए हैं। ऑनलाइन शेयर किए जा रहे एक वीडियो में लोगों को लकड़ी के बिस्तर और शौचालय से सुसज्जित छोटे बक्से में दिखाया गया है। इस जगह पर उन्हें दो हफ्तों तक रहने के लिए मजबूर किया जाता है। शंघाई में एक मां को अपने बच्चे के लिए रोता हुआ वीडियो सामने आया। बच्चे का वैक्सीन पासपोर्ट रेड आने पर उसे अपने परिवार से दूर कर दिया गया। प्राइमरी स्कूल के बच्चे को क्वारंटीन कैंप में ले जाया गया और उसके माता-पिता के बिना लॉक कर दिया गया। बच्चे को अकेले एक स्टील के बक्से में कैद कर दिया गया। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार अनयांग शहर में अकेले चार हजार बच्चे अकेले क्वारंटीन कैंप में रह रहे हैं। चीन के हांगजू शहर में कोविड गार्ड सड़क पर मार्च करते नजर आ रहे हैं। वैक्सीन पासपोर्ट की चेकिंग, लोगों की औचक जांच और फिर जरा सी भी चूक की स्थिति में लोगों को लॉक किया जा रहा है। चीन के जोगिस्तान शहर में हाथ में सूटकेस लिए शख्स बस की ओर भारता नजर आता है।

मुस्लिम अतिवादी ने यहूदी पूजा स्थल पर लोगों को बंधक बनाया, लाइव स्ट्रीमिंग में की आफिया की रिहाई की मांग

कोलीविले (एजेंसी)

अमेरिका के टेक्सास में यहूदियों के एक पूजा स्थल पर प्रार्थना के दौरान एक व्यक्ति ने वहां मौजूद लोगों को बंधक बना लिया और इस घटना की 'लाइवस्ट्रीमिंग' (सोशल मीडिया मंच पर सीधा प्रसारण) भी की। इस दौरान उसने पाकिस्तानी तंत्रिका विज्ञानी आफिया सिद्दीकी को रिहा करने की मांग करते सुना जा सकता है। ज्ञात हो कि पाकिस्तानी तंत्रिका विज्ञानी को अफगानिस्तान पर अमेरिकी सेना के अधिकारियों की हत्या का दोषी ठहराया गया है।

दो सुरक्षा अधिकारियों ने नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर बताया कि शुरू में कम से कम चार बंधकों के पूजा स्थल में होने का अनुमान था। उनमें से एक ने कहा माना जाता है कि बंधकों में पूजा स्थल के रब्बी (यहूदी धार्मिक नेता) भी शामिल हैं। अधिकारी ने कहा बंधन बनाने वाले व्यक्ति ने अपने पास हथियार होने का दावा किया लेकिन अधिकारियों ने इसकी पुष्टि नहीं की।

कोलीविले पुलिस विभाग ने कहा शनिवार शाम पांच बजे के बाद एक बंधक को बिना किसी नुकसान के रिहा कर दिया गया। माना जाता है कि व्यक्ति अपने परिवार के पास चला गया और उसे चिकित्सीय देखभाल की आवश्यकता नहीं थी। अधिकारी अब भी हमले के मकसद का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। अधिकारियों ने कहा बंधक बनाने वाले को पाकिस्तानी तंत्रिका विज्ञानी आफिया सिद्दीकी की रिहाई की मांग करते हुए सुना गया, जिसे अलकायदा से संबंध रखने और अफगानिस्तान में हिरासत में अमेरिकी सैन्य अधिकारियों को मारने की कोशिश का दोषी ठहराया गया था। अधिकारियों के अनुसार व्यक्ति ने यह भी कहा कि वह आफिया से बात करना चाहता है। आफिया सिद्दीकी टेक्सास की संघीय जेल में बंद है। एक अधिकारी ने बताया न्यूयॉर्क शहर में एक रब्बी को संभवतः बंधक बनाए गए रब्बी का फोन आया था, जिसके बाद न्यूयॉर्क शहर के रब्बी ने घटना की रिपोर्ट करने के लिए पुलिस को फोन किया। एफबीआई डलास के प्रवक्ता केटी चाउमोंट ने कहा पुलिस पहले सुबह 11 बजे के आसपास पूजा स्थल पहुंची और उसके तुरंत बाद आसपास के इलाकों से लोगों को निकाला गया। चाउमोंट ने कहा किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने बताया कि राष्ट्रपति जो बाइडन को इस घटना बारे में जानकारी दे दी गई है और उन्हें वरिष्ठ अधिकारियों से पल-पल की सूचना मिल रही है। इजराइल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट ने कहा वह स्थिति पर करीब से नजर रखे हुए हैं। उन्होंने ट्वीट किया, हम बंधकों और बचाव दल की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करते हैं। कई लोगों ने लाइवस्ट्रीम के दौरान बंधक बनाने वाले को सिद्दीकी को अपनी बहन कहकर संबोधित करते सुना गया, लेकिन डलास फोर्ट-वर्थ टेक्सास में काउंसिल ऑन अमेरिकन इस्लामिक रिलेशंस (सीएआईआर) के कार्यकारी निदेशक फैजान सैयद ने बताया कि सिद्दीकी का भाई मोहम्मद सिद्दीकी इसमें शामिल नहीं था। देश के सबसे बड़े मुस्लिम समर्थक समूह सीएआईआर ने शनिवार को हमले की निंदा की। सीएआईआर के राष्ट्रीय उप निदेशक एडवर्ड अहमद मिशेल ने एक बयान में कहा एक पूजा स्थल पर यह हालिया यहूदी विरोधी हमला बुराई का एक अस्वीकार्य कार्य है।

नेपाल से लगी सीमा पर भारत का रुख जगजाहिर, पहले जैसा और स्पष्ट है: भारतीय दूतावास

काठमांडू (एजेंसी)

भारतीय दूतावास ने शनिवार को यहां कहा कि नेपाल से लगी उसकी सीमा भारत का रुख जगजाहिर, पहले जैसा और स्पष्ट है।

भारत की ओर से यह बयान ऐसे वक्त आया है, जब नेपाल के विपक्षी दलों ने उन खबरों को लेकर असंतोष जताया है, जिसमें दावा किया गया था कि भारत सरकार उन क्षेत्रों में निर्माण गतिविधियां कर रही है, जिन्हें नेपाल ने अपने नक्शे में शामिल किया है। नेपाल के मुख्य विपक्षी दल कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूनिफाइड मार्क्सिस्ट-लेनिनिस्ट (सीपीएन-यूएमएल) ने प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा से सीमा मुद्दे पर बोलने और लिपुलेख पर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। यूएमएल के विदेश विभाग के प्रमुख राजन भट्टराई ने एक बयान में कहा, 'यूएमएल का अटूट विश्वास है कि सड़कों और अन्य संरचनाओं का निर्माण रोक दिया जाना चाहिए। बातचीत के माध्यम से समस्या का त्वरित समाधान किया जाना चाहिए और तब तक कोई ढांचा नहीं निर्मित किया जाना चाहिए, जब तक कि बातचीत के जरिए मुद्दे का समाधान नहीं हो जाता।'

भारत-नेपाल सीमा के सवाल पर नेपाल में हाल की खबरों और बयानों को लेकर मीडिया के सवालों पर भारतीय दूतावास के प्रवक्ता ने कहा, 'भारत-नेपाल सीमा पर भारत सरकार रुख जगजहिर, पहले जैसा और स्पष्ट है। इस बारे में नेपाल सरकार को अवगत करा दिया गया है।' प्रवक्ता ने कहा, 'हमारा विचार है कि स्थापित अंतर-सरकारी तंत्र और माध्यम संवाद के लिए सबसे उपयुक्त हैं। पारस्परिक सहमति से बाकी सीमा मुद्दों का हमेशा हमारे करीबी और मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों की भावना के अनुसार समाधान किया जा सकता है।' इस मुद्दे पर चिंता जताने वाले अन्य राजनीतिक दलों में विवेककशील साझा नेपाली, राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी और सत्तारूढ़ गठबंधन सहयोगी, सीपीएन (यूनिफाइड सोशलिस्ट) शामिल हैं। सत्तारूढ़ नेपाली कांग्रेस ने शुक्रवार को कहा था कि लिपुलेख में सड़क निर्माण जारी रखने का भारत का कदम आपत्तिजनक है। पार्टी ने दोहराया कि कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा नेपाली क्षेत्र हैं।

उसने भारत से कालापानी क्षेत्र में तैनात अपने सैनिकों को तुरंत वापस बुलाने और ऐतिहासिक तथ्यों व साक्ष्यों के आधार पर उच्च स्तरीय बातचीत के माध्यम से सीमा विवाद को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने का आग्रह किया। नेपाली कांग्रेस पार्टी ने एक बयान में कहा, हम इस तथ्य के बारे में स्पष्ट हैं कि लिपुलेख, लिंपियाधुरा और कालापानी नेपाली क्षेत्र में हैं और भारतीय सेना को कालापानी क्षेत्र से वापस जाना चाहिए। पार्टी ने कहा कि नेपाल और भारत के बीच सीमा विवाद को 1816 की सुगौली संधि के आधार पर सुलझाया जाना चाहिए। नेपाली कांग्रेस के महासचिव बिश्व प्रकाश शर्मा तथागगन थापा द्वारा हस्ताक्षरित बयान में कहा गया है, भारत द्वारा लिपुलेख में सड़क का निर्माण नेपाल-भारत संयुक्त आयोग में उल्लिखित खंड का एकतरफा उल्लंघन है, जिसमें उल्लेख किया गया है कि दोनों देशों के बीच किसी भी विवाद को राजनयिक तंत्र के माध्यम से हल किया जाना चाहिए। इसमें कहा गया है, लिपुलेख में भारत द्वारा द्विपक्षीय समझौते का उल्लंघन कर सड़क निर्माण किया जाना गंभीर और आपत्तिजनक मामला है और इसे तत्काल रोका जाना चाहिए। पार्टी ने कहा किदोनों देशों के बीच सदियों पुराने ऐतिहासिक संबंध हैं।

इसलिए, दोनों देशों के बीच किसी भी प्रकार के सीमा मुद्दे को ऐतिहासिक दस्तावेजों के आधार पर उच्च स्तरीय राजनयिक माध्यमों से हल किया जाना चाहिए। पिछले साल नवंबर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में कहा था कि धारचूला होकर लिपुलेख दर्रे से मानसरोवर तक की सड़क के बारे में नेपाल में गलतफहमी पैदा करने का प्रयास किया गया था।

रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट ने भी यह दावा किया कि तीर्थयात्री जल्द ही वाहन से कैलाश-मानसरोवर की यात्रा कर सकेंगे क्योंकि केंद्र द्वारा घाटियाबागर से लिपुलेख तक की सीमा सड़क को पक्की सड़क में बदलने के लिए 60 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। लिपुलेख दर्रा, कालापानी के पास एक सुदूर पश्चिमी स्थान है, जो नेपाल और भारत के बीच का सीमा क्षेत्र है। भारत और नेपाल दोनों कालापानी को अपने क्षेत्र का अभिन्न हिस्सा होने का दावा करते हैं। भारत उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के हिस्से के रूप में और नेपाल धारचूला जिले के हिस्से के रूप में इसे अपना क्षेत्र मानता है।

भारत की वृहद आर्थिक स्थिति पुनरुद्धार की ओर, पर गतिहीनस्फीति की चुनौती भी सामने : कौशिक बसु

एजेंसी ■ नई दिल्ली

विश्व बैंक के पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री कौशिक बसु का मानना है कि भारत में कुल वृहद आर्थिक स्थिति पुनरुद्धार की राह पर है, लेकिन यह शीर्ष छोर पर केंद्रित है, जो चिंता की बात है। यानी इसका लाभ कुछ क्षेत्रों या बड़े व्यवसायों को ही मिल रहा है। बीते माह खुदरा मुद्रास्फीति में तेज उछाल आया है। बसु ने इसी परिप्रेक्ष्य में कहा कि देश गतिहीनस्फीति की स्थिति का सामना कर रहा है, और इस स्थिति से बाहर निकलने के लिए बेहद सावधानी से नीतिगत हस्तक्षेप की जरूरत है। गतिहीनस्फीति से आशय उंची मुद्रास्फीति के बीच बेरोजगारी दर उंची और अर्थव्यवस्था की मांग कम रहने से है। बसु पिछली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार में मुख्य आर्थिक सलाहकार रहे थे। फिलहाल वह अमेरिका के कॉर्नेल विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर हैं। उन्होंने कहा कि समग्र अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, लेकिन देश का निचला आधा हिस्सा मंदी में है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ साल के दौरान देश की नीति कुछ बड़े व्यवसायों पर केंद्रित रही है, जो दुख की बात है। बसु ने पीटीआई-भाषा से साक्षात्कार में कहा, भारत की समग्र वृहद आर्थिक स्थिति पुनरुद्धार की राह पर है। चिंता इस तथ्य से पैदा होती है कि यह वृद्धि शीर्ष छोर पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि देश में युवा बेरोजगारी दर कोविड-19 महामारी से पहले ही 23 प्रतिशत पर पहुंच गई थी, जो दुनिया में सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कि श्रमिकों, किसानों और छोटे व्यवसायों के लिए नकारात्मक वृद्धि देखी जा रही है। उन्होंने कहा कि 2021-22 में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 9.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। चूंकि महामारी के कारण 2019-20 में भारतीय अर्थव्यवस्था में 7.3 प्रतिशत की गिरावट आई थी। ऐसे में पिछले दो साल की औसत वृद्धि दर मात्र 0.6 प्रतिशत बैठेगी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने अपने पहले अग्रिम अनुमान में अप्रैल, 2021 से मार्च, 2022 के वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 9.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जबकि भारतीय रिजर्व बैंक ने इसी अवधि के दौरान 9.5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है। विश्व बैंक ने 8.3 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया है जबकि आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन का अनुमान है कि भारतीय अर्थव्यवस्था 9.7 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार को आगामी बजट में राजकोषीय मजबूती के लिए कदम उठाने चाहिए, या प्रोत्साहन उपायों को जारी रखना चाहिए, बसु ने कहा कि भारत की मौजूदा स्थिति वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और पूरे राजकोषीय नीति तंत्र के लिए एक बड़ी चुनौती है।

कोविड-19 के मद्देनजर अब स्कूलों को बंद रखने का कोई औचित्य नहीं

विश्व बैंक के शिक्षा निदेशक ने कहा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

विश्व बैंक के वैश्विक शिक्षा निदेशक जैमे सावेद्रा के अनुसार महामारी को देखते हुए स्कूलों को बंद रखने का अब कोई औचित्य नहीं है और भले ही नई लहरें आएं स्कूलों को बंद करना अंतिम उपाय ही होना चाहिए। सावेद्रा की टीम शिक्षा क्षेत्र पर कोविड-19 के प्रभाव पर नजर रख रही है। उन्होंने कहा कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि स्कूलों को फिर से खोलने से कोरोना वायरस के मामलों में वृद्धि हुई है और स्कूल सुरक्षित स्थान नहीं हैं। सावेद्रा ने कहा कि लोक नीति के नजरिए से बच्चों के टीकाकरण तक इंतजार करने का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि इसके पीछे कोई विज्ञान नहीं है। वाशिंगटन से पीटीआई को दिए गए साक्षात्कार में सावेद्रा ने कहा, स्कूल खोलने और कोरोना वायरस के प्रसार के बीच कोई संबंध नहीं है। दोनों को जोड़ने का कोई सबूत नहीं है और अब स्कूलों को बंद रखने का कोई औचित्य नहीं है। भले ही कोविड-19 की नई लहरें आएं, स्कूलों को बंद करना अंतिम उपाय ही होना चाहिए। उन्होंने कहा, रेस्तरां, बार और शॉपिंग मॉल को खुला रखने और स्कूलों को बंद रखने का कोई मतलब नहीं है। कोई बहाना नहीं हो सकता। विश्व बैंक के विभिन्न अध्ययन के अनुसार, अगर स्कूल खोले जाते हैं तो बच्चों के लिए स्वास्थ्य जोखिम कम होता है और बंद होने की लागत बहुत अधिक होती है। उन्होंने कहा, 2020 के दौरान हम नासमझी में कदम उठा रहे थे। हमें अभी भी यह नहीं पता कि महामारी से निपटने का सबसे अच्छा तरीका क्या है और दुनिया के अधिकतर देशों में तत्काल स्कूलों को बंद करने के कदम उठाए गए। तब से काफी समय बीत चुका है और 2020 और 2021 से कई लहरें आ चुकी हैं और ऐसे कई देश हैं, जिन्होंने स्कूल खोले हैं। सावेद्रा ने कहा, हम यह देखने में सक्षम हैं कि क्या स्कूलों के खुलने से वायरस के प्रसार पर प्रभाव पड़ा है और नए डेटा से पता चलता है कि ऐसा नहीं होता है। कई जगहों पर लहरें तब आई हैं, जब स्कूल बंद थे तो जाहिर है कि संक्रमण के मामलों में वृद्धि के पीछे स्कूलों की कोई भूमिका नहीं रही है। उन्होंने कहा, भले ही बच्चे संक्रमित हो सकते हैं और ओमीक्रोन से यह और भी अधिक हो रहा है लेकिन बच्चों में मृत्यु और गंभीर बीमारी अत्यंत दुर्लभ है। बच्चों के लिए जोखिम कम है और लागत बहुत अधिक है। बच्चों का अब तक टीकाकरण नहीं होने की चिंताओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ऐसा कोई देश नहीं है जिसने बच्चों के टीकाकरण के बाद ही स्कूलों को फिर से खोलने की शर्त रखी हो। क्योंकि इसके पीछे कोई विज्ञान नहीं है और लोक नीति के नजरिए से इसका कोई मतलब नहीं है। भारत में महामारी के कारण स्कूल बंद होने के प्रभाव के बारे में बात करते हुए सावेद्रा ने कहा कि प्रभाव पहले की तुलना में अधिक गंभीर है और पठन-पाठन के नुकसान का अनुमान कहीं ज्यादा रहने की आशंका है।

खुदरा व्यापारियों को राहत देने पर विचार कर रहे हैं शॉपिंग मॉल मालिक

नई दिल्ली। उद्योग निकाय एससीएआई ने रविवार को कहा कि मॉल मालिक अपने किरायदारों के साथ इस बार भी उतनी ही मजबूती के साथ खड़े रहेंगे जितनी कि महामारी की पिछली दो लहरों के दौरान खड़े थे। शॉपिंग मॉल एवं खरीदारी केंद्रों के मालिकों के संगठन शॉपिंग सेंटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एससीएआई) ने कहा कि मॉल मालिक कोविड महामारी की इस लहर के दौरान भी खुदरा दुकानों, खानपान की दुकानों और मल्टीप्लेक्स को राहत दे सकते हैं। एससीएआई के निदेशक अभिषेक बंसल ने कहा कि महामारी के मामलों में आई तेजी के कारण स्थानीय स्तर पर लगाई गई पाबंदियों के बाद कुछ खुदरा व्यापारी संपत्ति मालिकों के पास गए हैं और उन्होंने कारोबार पर असर पड़ने संबंधी चिंताओं से उन्हें अवगत करवाया है। बंसल ने पीटीआई-भाषा से कहा, यह तीसरी बार है, डेवलपर और शॉपिंग सेंटर वाले अपने किरायदारों तथा खुदरा व्यापारियों के साथ महामारी की पिछली दो लहरों के दौरान भी खड़े थे। तीसरी लहर में भी वे उनके साथ हैं ताकि इस हालात से हर कोई पार पा सके। मॉल और शॉपिंग केंद्रों में अपना व्यवसाय चलाने वाले व्यापारी जनवरी के किराए में छूट मांग रहे हैं। हालांकि, बंसल का कहना है कि दुकानदारों को राहत देने संबंधी फैसला लेने में कुछ वक्त लगेगा।

व्यापार संघ प्रमुख की हत्या

न्यायालय ने अदालत से सुनवाई तीन महीने में पूरी करने को कहा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने पटना की एक स्थानीय अदालत को निर्देश दिया है कि वह वर्ष 2017 में बिहार के बिहटा में व्यापारी संघ के अध्यक्ष की हत्या मामले की सुनवाई तीन महीने में पूरी करे। न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय की पीठ ने इससे पहले हत्या के आरोपी को पटना उच्च न्यायालय से मिली जमानत भी रद्द कर दी थी। पीठ ने मामले में सुनवाई की धीमी रफ्तार को लेकर नाराजगी जताई। शीर्ष अदालत ने मृतक कारोबारी के भाई अजय कुमार की ओर से पेश अधिवक्ता समरहार सिंह द्वारा दी गई अर्जी पर संज्ञान लिया जिसमें कहा गया कि सभी गवाहों की गवाही दर्ज हो गई है और आरोपी के पास मामले में पेश करने के लिए और कोई गवाह नहीं बचा है। उच्चतम न्यायालय ने पांच जनवरी को दिए आदेश में कहा, हमें याचिकाकर्ता के वकील ने सूचित किया है कि वर्ष 2019 से पहले ही अभियोजन की ओर से गवाहों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं। हालांकि, बचाव पक्ष की ओर से गवाहों को पेश करने के लिए समय मांगा गया था और अंततः आरोपी ने अदालत को बताया कि उसके पास कोई गवाह नहीं है। सभी गवाहों के सबूत पहले ही दर्ज हो चुके हैं, हम सुनवाई अदालत को निर्देश देते हैं कि आज से तीन महीने में सुनवाई पूरी करे। अब उच्चतम न्यायालय इस मामले पर चार अप्रैल को सुनवाई करेगा। इससे पहले अगस्त 2020 में उच्चतम न्यायालय ने पटना उच्च न्यायालय द्वारा एक आरोपी अमित कुमार को दी गई जमानत रद्द कर दी थी। बिहटा व्यापार संघ के अध्यक्ष और उदय चित्र मंदिर सिनेमा हॉल के मालिक निर्भय सिंह की कथित तौर तीन लोगों ने 15 सितंबर 2017 को गोली मारकर हत्या कर दी थी। आरोपियों में अमित कुमार भी शामिल था जिसपर स्थानीय बाजार में वसूली गिरोह चलाने का आरोप है।

महामारी के बीच हवाई टिकट रद्द करने वाले एक-तिहाई से भी कम लोगों को मिला रिफंड

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कोरोना वायरस महामारी के ओमीक्रोन स्वरूप के रूप में आई तीसरी लहर के कारण हवाई उड़ानों के टिकट रद्द करने वाले एक-तिहाई से भी कम लोगों को रिफंड या टिकट का पैसा वापस मिल पाया है। एक ऑनलाइन सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है। ऑनलाइन कम्युनिटी मंच लोकलसर्किल्स के एक सर्वेक्षण में पता चला कि महामारी की तीसरी लहर के आने की वजह से जिन लोगों को होटलों की अपनी बुकिंग निरस्त करनी पड़ी उनमें से 34 प्रतिशत को ही पैसा वापस मिला। इस सर्वेक्षण में भारत के 332 जिलों से लोगों के 20,000 से अधिक जवाब आए। ओमीक्रोन स्वरूप के मामले तेजी से बढ़ने के कारण भारत में ऐसे अनेक लोगों को अपनी यात्राएं रद्द या स्थगित करनी पड़ी हैं जिन्होंने जनवरी से मार्च के बीच यात्रा कार्यक्रम बना रखा था। उनमें से कुछ ने एयरलाइंस और होटलों से बुकिंग के लिए जमा की गई राशि वापस मांगी है। सर्वेक्षण में हवाई यात्रा निरस्त होने के संबंध में पहला प्रश्न पूछा गया था जिसके जवाब में 29 प्रतिशत लोगों ने कहा, ट्रैवल एजेंटों और एयरलाइन कंपनियों ने रद्दीकरण स्वीकार कर लिया और पूरा पैसा लौटा दिया, वहीं 14 प्रतिशत ने कहा कि उन्हें आंशिक राशि मिली है। वहीं, 29 प्रतिशत लोगों ने बहुत कम पैसा लौटाए जाने की भी बात कही। करीब 14 प्रतिशत लोगों के अनुसार उन्हें धनराशि नहीं लौटाई गई लेकिन बाद की तारीख के लिए उनका टिकट बुक कर दिया गया। लोकलसर्किल्स के संस्थापक सचिन तापड़िया ने कहा, इस मंच पर लोग राय दे रहे हैं कि सरकार को कोविड महामारी जारी रहने तक यात्रा बुकिंग रद्द किए जाने पर, खासतौर पर एयरलाइंस और होटलों के लिए पैसा वापसी की विशेष नीति बनानी चाहिए।

शराब तस्करी में महिला समेत साथ दो गिरफ्तार

■ नई दिल्ली

साउथ-ईस्ट जिले के अमर कॉलोनी और कालिंदी कुंज थाना पुलिस ने एक महिला शराब तस्कर समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। अमर कॉलोनी थाना पुलिस ने चांद बाबू नाम के एक बदमाश को बटनदार चाकू के साथ पकड़ा है। आरोपी थाना अमर कॉलोनी का घोषित बदमाश भी है। वहीं, कालिंदी कुंज थाना पुलिस ने 200 पव्वे अवैध शराब के साथ बबीता नाम की महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस दोनों पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पुलिस के मुताबिक, गत 14 जनवरी को हेड कांस्टेबल गिरीश कुमार और कांस्टेबल विनोद इलाके में पेट्रोलिंग कर रहे थे। गश्त के दौरान जैसे ही वे ओखला रेलवे सेंटर के पास पहुंचे, जहां उन्होंने देखा कि एक व्यक्ति पुलिसकर्मियों को देखकर चोरी-छिपे चलने लगा। शक होने पर पुलिस टीम ने उसे रुकने का इशारा किया तो आरोपी मौके से भागने लगा। इसके बाद पुलिस टीम ने पीछा कर आरोपी को दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस को उसके पास से बटनदार चाकू मिला। इसके बाद पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपी की पहचान चांद बाबू के रूप में हुई। आरोपी इस्माइलपुर फरीदाबाद, हरियाणा के रहने वाले थे। पूछताछ करने पर आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह शराब और नशीले पदार्थों का आदी है।

प्रदेश भाजपा पूर्वांचल मोर्चा का जनसंपर्क अभियान

■ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी ने प्रथम चरण के पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्याशियों की घोषणा के बाद से ही भाजपा पूर्वांचल मोर्चा ने भी कमर कस लिया है। इस कड़ी में दिल्ली प्रदेश भाजपा पूर्वांचल मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कौशल मिश्रा ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत के मद्देनजर दिल्ली में रह रहे करीब 25 लाख से अधिक उत्तर प्रदेश के प्रवासी परिवारों के बीच में जनसंपर्क अभियान सीलमपुर विधानसभा के वेलकम से शुरू किया। मोर्चा के अन्य पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ घर-घर जनसंपर्क कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनकल्याणकारी कार्यों पर प्रकाश डाला। और पार्टी के प्रत्याशियों को वोट करने की अपील की। कौशल मिश्रा ने कहा की इस बार 300 के पार भाजपा को सीटें मिलेंगी व एक बार फिर भाजपा की सरकार बनेगी। दिल्ली प्रदेश मंत्री एस राहुल' ने बताया कि इस जनसंपर्क का उद्देश्य दिल्ली में रहने वाले उत्तर प्रदेश के प्रवासी परिवारों एवं उनके माध्यम से उत्तर प्रदेश में रहे उनके परिवार के सदस्यों व रिश्तेदारों को भाजपा को वोट देने के लिए प्रेरित करना है। प्रदेश मीडिया प्रमुख संजय तिवारी ने बताया कि जनसंपर्क के दौरान उत्तर प्रदेश के परिवारों में उत्साह नजर आया । वही पूरी हुई हर आस घर-घर हुआ विकास का नारा देकर घरो में योगी सरकार की उपलब्धियां बता रहे हैं।

कर्फ्यू *रविवार को वीकेंड कर्फ्यू के दौरान खाली जनपथ।*

महापौर ने रघुबरपुरा स्थित गली का नामकरण किया

■ नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के महापौर श्याम सुन्दर अग्रवाल ने अपने रघुबरपुरा वार्ड अजीत नगर क्षेत्र की गली नंबर 10 का नामकरण समाजसेवी पंडित जगदीश लाल शर्मा के नाम पर किया। इस मौके पर महापौर श्याम सुन्दर अग्रवाल के साथ विधायक अनिल वाजपाई,जिला अध्यक्ष रामकिशोर शर्मा भी मौजूद थे। इस अवसर पर जगदीश लाल शर्मा के पुत्र प्रवीण शर्मा तथा अनिल शर्मा ने सभी अतिथियों को शॉल और फूल माला पहनाकर सम्मान किया, कार्यक्रम की अध्यक्षता राजेंद्र वर्मा ने की। महापौर श्याम सुंदर अग्रवाल ने कहा पंडित जगदीश लाल शर्मा ने संगठन को खड़ा करने में अहम भूमिका निभाई इन्होंने समाज के हर वर्ग की चिंता करते हुए उनके उत्थान में योगदान दिया। अनिल वाजपाई ने कहा जगदीश लाल शर्मा ने उन्होंने अजीत नगर के विकास करवाया रामकिशोर शर्मा ने कहा नामकरण के माध्यम से पंडित जगदीश लाल शर्मा के जीवन से प्रेरणा लेंगे ।

अदालत ने केंद्र, सीमा शुल्क विभाग से एक व्यक्ति के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर हटाने को कहा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्र और सीमा शुल्क विभाग से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि एक व्यक्ति के खिलाफ लंबित लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) को हटा दिया जाए ताकि उसे हवाई अड्डों पर असुविधा या अपमान का सामना न करना पड़े। अदालत का यह आदेश सीमा शुल्क विभाग के इस निवेदन के बाद आया कि वह नहीं चाहता कि याचिकाकर्ता के खिलाफ जारी एलओसी को आगे बढ़ाया जाए। न्यायमूर्ति रेखा पल्ली ने कहा, (सीमा शुल्क विभाग के वकील) द्वारा अपनाए गए रुख के आलोक में प्रतिवादी संख्या एक और दो (केंद्र और सीमा शुल्क विभाग) यह सुनिश्चित करेंगे कि याचिकाकर्ता के खिलाफ किसी भी लंबित एलओसी को हटा दिया जाए ताकि उसे हवाई अड्डों पर और असुविधा या अपमान का सामना न करना पड़े। याचिकाकर्ता कैप्टन जगमिंदर सिंह बराड़ ने अपनी याचिका में कहा कि जब भी वह भारत आते हैं या भारत से बाहर जाना चाहते हैं तो उन्हें हवाई अड्डों पर आव्रजन अधिकारियों द्वारा अकारण परेशान किया जाता है। बराड़ को न तो अपने खिलाफ कोई एलओसी जारी होने की जानकारी थी और न ही अधिकारियों ने उनके समक्ष विवरण का खुलासा किया था। बराड़ ने दलील दी कि प्रतिवादियों द्वारा उन्हें हवाई अड्डों पर रोकने का कार्य पूरी तरह से अनुचित था। केंद्र के वकील ने कहा कि सीमा शुल्क विभाग के अनुरोध पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ एलओसी जारी किया गया था और इसीलिए उसे हवाई अड्डों पर रोका गया था।

आईपी कुलपति ने इक्सपेरिमेंटल लर्निंग पुस्तक का किया लोकार्पण

■ नई दिल्ली

आईपी यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ एजुकेशन के डीन प्रो. धनंजय जोशी द्वारा संपादित पुस्तक इक्सपेरिमेंटल लर्निंग का लोकार्पण यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉक्टर महेश वर्मा ने किया। इस अवसर पर कुलपति ने प्रो. जोशी को बधाई देते हुए कहा कि यह पुस्तक बदलते समय में टीचिंग. लर्निंग के क्षेत्र में हो रहे नए-नए अनुप्रयोगों को समझने की दिशा में एक उल्लेखनीय कदम है। प्रो जोशी ने कहा कि यह पुस्तक कोरोना के बाद शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे प्रयोगों को समझने में मिल का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी कई चर्चित पुस्तकों का लेखन और संपादन कर चुके हैं। देश-विदेश के कई यूनिवर्सिटी के विभिन्न शैक्षिक समितियों के सदस्य हैं। इस पुस्तक के लेखक दिल्ली यूनिवर्सिटी के पूर्व असोसीयट प्रोफेसर डॉक्टर एस.के.भाटिया हैं।

कोविड असर *कुल बच्चों में से सबसे अधिक 59,010 बच्चे आठ से 13 साल आयु वर्ग के हैं*

1.47 लाख से अधिक बच्चों ने खोए मां या पिता या दोनों

एजेंसी ■ नई दिल्ली

अधिकतम बच्चे (1,25,205) माता या पिता में से किसी एक के साथ हैं, जबकि 11,272 बच्चे परिवार के सदस्यों के साथ और 8,450 बच्चे अभिभावकों के साथ हैं।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने उच्चतम न्यायालय को सूचित किया है कि एक अप्रैल, 2020 से अब तक कुल,1,47,492 बच्चों ने कोविड-19 और अन्य कारणों से अपने माता या पिता में से किसी एक या दोनों को खो दिया है। कोविड-19 महामारी के दौरान माता-पिता को खो चुके बच्चों की देखभाल और सुरक्षा को लेकर स्वतः संज्ञान वाले मामले में एनसीपीसीआर ने कहा कि इसके आंकड़े राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा अपने बाल स्वराज पोर्टल-कोविड केयर पर 11 जनवरी तक अपलोड किए गए आंकड़ों पर आधारित हैं। अधिवक्ता स्वरूपमा चतुर्वेदी के माध्यम से दायर हलफनामे में कहा गया है कि 11 जनवरी तक अपलोड किए गए डेटा से पता चलता है कि देखभाल और सुरक्षा की जरूरत वाले बच्चों की कुल संख्या,1,47,492 है, जिनमें अनाथ बच्चों की संख्या 10,094 और माता या पिता में से किसी एक को खोने वाले बच्चों की संख्या,1,36,910 और परित्यक्त बच्चों की संख्या 488 है। आयोग के अनुसार, लिंग के आधार पर,1,47,492 बच्चों में से 76,508 लड़के, 70,980 लड़कियां और चार ट्रांसजेंडर हैं। हलफनामे में कहा गया है कि कुल बच्चों में से सबसे अधिक 59,010 बच्चे आठ से 13 साल आयु वर्ग के हैं, जबकि दूसरे स्थान पर चार से सात वर्ष के बच्चे हैं, जिनकी कुल संख्या 26,080 है। आंकड़े बताते हैं कि 14 से 15 साल के बच्चों की कुल संख्या 22,763 और 16 से 18 वर्ष आयुवर्ग के बच्चों की कुल संख्या 22,626 है। आयोग ने बच्चों के आश्रय की वर्तमान स्थिति की भी जानकारी दी है, जिसके अनुसार अधिकतम बच्चे (1,25,205) माता या पिता में से किसी एक के साथ हैं, जबकि 11,272 बच्चे परिवार के सदस्यों के साथ और 8,450 बच्चे अभिभावकों के साथ हैं। हलफनामे में कहा गया है कि,1,529 बच्चे बाल गृहों में, 19 खुले आश्रय गृहों में, दो अवलोकन गृहों में, 188 अनाथालयों में, 66 विशेष गोद लेने वाली एजेंसियों में और 39 छात्रावासों में हैं। अप्रैल 2020 से कोविड और अन्य कारणों से अपने माता या पिता या माता-पिता दोनों को खोने वाले बच्चों का राज्यवार विवरण देते हुए आयोग ने कहा कि ऐसे बच्चों की अधिकतम संख्या ओडिशा (24,405) से है, इसके बाद महाराष्ट्र (19,623), गुजरात (14,770), तमिलनाडु (11,014), उत्तर प्रदेश (9,247), आंध्र प्रदेश (8,760), मध्य प्रदेश (7,340), पश्चिम बंगाल (6,835) दिल्ली (6,629) और राजस्थान (6,827) का स्थान आता है। आयोग ने शीर्ष अदालत को सूचित किया कि वह प्रत्येक राज्य/केंद्रशासित प्रदेश के एससीपीसीआर के साथ क्षेत्रवार बैठकें कर रहा है और उत्तर-पूर्वी राज्यों के साथ एक आभासी बैठक 19 जनवरी को होने वाली है।

घर में लगी आग से बीट कांस्टेबलों ने परिजनों को सुरक्षित निकाला

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली स्थित पालम गांव के महावीर एंक्लेव स्थित एक घर में आग लगने की सूचना के बाद तुरंत मौके पर पहुंच बीट कांस्टेबलों ने अपनी जान की बाजी लगाकर घर में फंसे परिजनों को बाहर निकाला और दमकलकर्मियों की आने से पहले से आग पर काबू पा लिया। हालांकि, इस दौरान एक बीट कांस्टेबल भरत को धुंए के कारण घुटन होने लगी। उन्हें तुरंत उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। अब उनकी हालत स्थित है। डीसीपी गौरव शर्मा ने बताया कि 12 जनवरी की दोपहर लगभग 12:25 बजे पालम गांव के महावीर एंक्लेव स्थित हाउस नंबर आरजेडजी-15 गली नंबर 6 स्थित एक मकान में किचन में आग लगने की पीसीआर कॉल मिली थी। एसएचओ पारस नाथ वर्मा, 7 बीट कांस्टेबल भरत और कांस्टेबल जयबीर मौके पर पहुंचे ।

संपादकीय

चीन को फिर दो टूक

चीन से भले भारत की राजनयिक और सैन्य स्तर की बातचीत हो रही हो, मगर इस पड़ोसी देश से खतरा कायम है। सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे के ताजा बयान से यही तथ्य प्रस्फुटित होता है। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास चीन से मिल रही चुनौतियों को देखते हुए भारत ने अपनी स्थिति हालांकि मजबूत की है, मगर चीन की गतिविधियों को देखते हुए और अतीत में उसकी करतूतों के आधार पर भारत की तैयारियां ज्यादा जरूरी हैं। आशय यही कि मजबूत सैन्य ढांचे से ही चीन की चुनौती का सामना किया जा सकता है। ज्ञातव्य है कि करीब 20 महीने से पूर्वी लद्दाख में दोनों देशों के सैनिक उस दुर्गम इलाके में डटे हुए हैं। फिलहाल, वहां हालात तनावपूर्ण मगर काबू में हैं। दरअसल, चीन की ओर से लगातार हो रही उकसाने वाली कार्रवाई ने भारत को इस तरह का बयान देने के लिए विवश किया है जबकि एलएसी पर दोनों देशों ने वार्ता में उस जगह से सैनिकों की संख्या हटाने और पीछे हटने पर समझौता किया था। चूंकि चीन का चरित्र बड़ा रहस्यमयी रहा है। वह कहता कुछ है, और करता कुछ है। एक तरफ तो वह भारत से सैन्य कमांड़र और राजनयिक स्तर पर वार्ता करता है, वहीं भारत से लगती सीमा पर साजिश रचने से बाज भी नहीं आता है। ताजा प्रकरण भी भारत के लिए चिंता का सबब बना जब यह पता चला कि चीन एलएसी के निकट भूमिगत भंड़ारगृह, सुरंग (टनल) और पुल आदि बना रहा है। इससे साफ पता चलता है कि चीन के इरादे क्या हैं? उसी तरह उपग्रह से ली गई तस्वीरों से ज्ञात हुआ है कि भूटान की विवादित सीमा में भी चीन ने निर्माण कार्य तेज किया है। यह निर्माण कार्य ड़ोकलाम क्षेत्र से 9 से 27 किमी दूर है। ड़ोकलाम की रणनीतिक दृष्टि से काफी अहमियत है। यही वजह है कि चीन भूटान को दबाव में लेकर यहां अपनी मनमानी कर रहा है। स्वाभाविक रूप से भारत को इन सब बातों को संजीदगी से समझने की जरूरत है। चीन किसी का सगा नहीं हैग इस बात को भारत गांठ बांध ले। उस पर भरोसा करने के मतलब धोखा है। कभी लद्दाख तो कभी भूटान के मार्फत वह भारत की सैन्य तैयारियों की थाह लेता है। कोशिश यही हो कि भारत भी 'जैसे को तैसा' के अंदाज में जवाब दे। ऐसा करके ही उसे चुनौती दी जा सकती है।

अमेरिका से अच्छे संकेत

अमेरिका से मिल रहे ये ताजा संकेत स्वागत योग्य हैं कि रूस से एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम खरीदने के मामले में वह भारत को प्रतिबंधों से छूट दे सकता है। भारत ने अक्टूबर 2018 में रूस के साथ 5 अरब डॉलर के सौदे पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके मुताबिक एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम की पांच युनिट खरीदने की बात तय हुई थी। अमेरिका की तत्कालीन ट्रंप सरकार ने चेतावनी दी थी कि अगर भारत ने इस समझौते पर अमल किया तो उसे काटसा (काउंटरिंग अमेरिकाज ऐडवर्सरीज थ्रू सैंक्शंस एक्ट) के तहत कड़े प्रतिबंध झेलने पड़ सकते हैं। बावजूद इसके, भारत ने सौदे को रद्द या स्थगित नहीं किया और समझौते के मुताबिक पिछले साल इसकी सप्लाई शुरू हो गई।

हालांकि अभी तक बाइडन प्रशासन ने प्रतिबंधों को लेकर कोई फैसला नहीं किया है, लेकिन जिस तरह की चर्चा वहां निर्णयकर्ताओं के बीच चल रही है, उससे लगता है कि अमेरिकी सरकार प्रतिबंध लगाने से बचना चाहेगी। सैंक्शन पॉलिसी के को-ऑर्डिनेटर पद के लिए राष्ट्रपति बाइडन के नॉमिनी जेम्स ओ'ब्रायन का यह कहना महत्वपूर्ण है कि भारत पर प्रतिबंध लगाने का फैसला करने से पहले अमेरिका को जियो स्ट्रैटजिक पहलुओं, खासकर चीन के संदर्भ में बदले समीकरणों पर विचार करना होगा। यह भी कि इस मामले में भारत की तुलना तुर्की से नहीं की जा सकती। तुर्की ने भी रूस से एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम खरीदा था, जिसके कारण अमेरिका उस पर प्रतिबंध लगा चुका है।

अच्छी बात है कि अमेरिका में नीति-निर्माताओं को नए अंतरराष्ट्रीय समीकरणों के मद्देनजर भारत की बढ़ती अहमियत का अहसास है। वे भारत की स्थिति और उसकी जरूरतों को लेकर भी संवेदनशीलता दिखा रहे हैं। वैसे उन्हें यह भी पता है कि यूक्रेन के सवाल पर रूस के साथ अमेरिका के संबंधों में चाहे जितना भी तनाव आ गया हो, भारत को रूस से दूर करने की कोशिश में वे एक हद से आगे नहीं बढ़ सकते। फिलहाल चीन के आक्रामक तेवर के मद्देनजर क्वॉड के एक महत्वपूर्ण सदस्य की हैसियत से भी भारत की भूमिका खासी महत्वपूर्ण है। ऐसे में बहुत संभव है कि अमेरिका प्रतिबंध लगाकर भारत को खुद से दूर कर लेने के बजाय उसे रूस से हथियार के और ज्यादा समझौता न करने को राजी करने की नीति अपनाए।

जहां तक भारत की बात है तो यह पहले दिन से साफ है कि उसकी विदेश नीति दूसरे देशों के आग्रहों या सुझावों से नहीं बल्कि अपने हितों से निर्धारित होती है। हथियारों के मामले में रूस लंबे अर्से से भारत का सबसे बड़ा सहयोगी रहा है। पिछले दशक के दौरान भी भारत में हथियारों के कुल आयात का करीब दो तिहाई हिस्सा रूस से ही आया है। ऐसे में अचानक इस पर रोक लगाना न तो उचित है और न व्यावहारिक। यह बात अमेरिका समझ रहा है तो यह दोनों देशों के रिश्तों में आती गहराई का सूचक है।

कटाक्ष/ कबीरदास

पर्यटन बनाम ओमीक्रोन

पर्यटन मंत्री प्रसन्ना राणातुंगा के मुताबिक, जनवरी के पहले हफ्ते में 16,000 पर्यटक श्रीलंका आए। ऐसा लग रहा है कि पर्यटन क्षेत्र के दिन बहुरने लगे हैं। होटलों की बुकिंग शुरू हो चुकी है और इस क्षेत्र से जुड़े छोटे-बड़े कारोबारी संभावित चुनौतियों के मुकाबले के लिए अपनी कमर कस रहे हैं। अप्रैल 2019 में ह्यईस्टर संडेह्व को तीन चर्चों व तीन होटलों पर आतंकी हमले के बाद श्रीलंका में पर्यटन उद्योग लगभग मृतप्राय हो गया था। टूरज्मि ब्यूरो के मुताबिक, इस हमले की वजह से उस साल देश को लगभग 750 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ था। विदेशी मुद्रा के लिहाज से पर्यटन श्रीलंका का तीसरा सबसे बड़ा स्रोत रहा है और करीब तीन दशक तक चली आतंकी जंग की समाप्ति के बाद यह तेजी से बढ़ रहा है। ईस्टर संडे के बम धमाकों के पहले अनिवासियों द्वारा भेजी जाने वाली रकम और वस्त्र नर्यित के बाद पर्यटन श्रीलंका में विदेशी मुद्रा का तीसरा सबसे बड़ा स्रोत था। साल 2018 में इससे करीब 4.4 बिलियन डॉलर की विदेशी मुद्रा आई थी। साल 2019 में देश में 19 लाख पर्यटक आए थे। साल 2018 के मुकाबले इसमें 21 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी। अप्रैल 2019 के ईस्टर संडेके बाद 2020 से जारी कोविड महामारी ने विदेशी मुद्रा के इस मूल्यवान स्रोत को सूखे का शिकार बना दिया। इन दोनों का साझा प्रभाव छोटे कारोबारियों व पांच लाख शहरी दिहाड़ी कामगारों पर वज्रपात-सा हुआ। व्यावसायिक क्षेत्र के जिन श्रमिकों को वेतन कटौती की मार झेलने को बाध्य होना पड़ा, वे गरीबी के दायरे में फिसल गए।

अब स्थिति बदल रही है। हमारी सड़कों, होटलों और सार्वजनिक स्थलों पर पर्यटकों की चहलकदमी दुर्लभ नहीं रही। श्रीलंका की लगभग 80 फीसदी वयस्क आबादी के पूर्ण टीकाकरण के साथ कोरोना वायरस को नियंत्रित किए जाने के स्तर पर लाया जा रहा है।... लेकिन दुनिया के कई देशों में ओमीक्रोन के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए हमें यह सुनश्चिति करने की जरूरत है कि पर्यटकों के कोविड परीक्षण में कोई चूक न हो, ताकि वे कोविड फैलाने वाले न बनें।

भारत-जापान मैत्री के लिए खास है यह साल

आर.के. सिन्हा

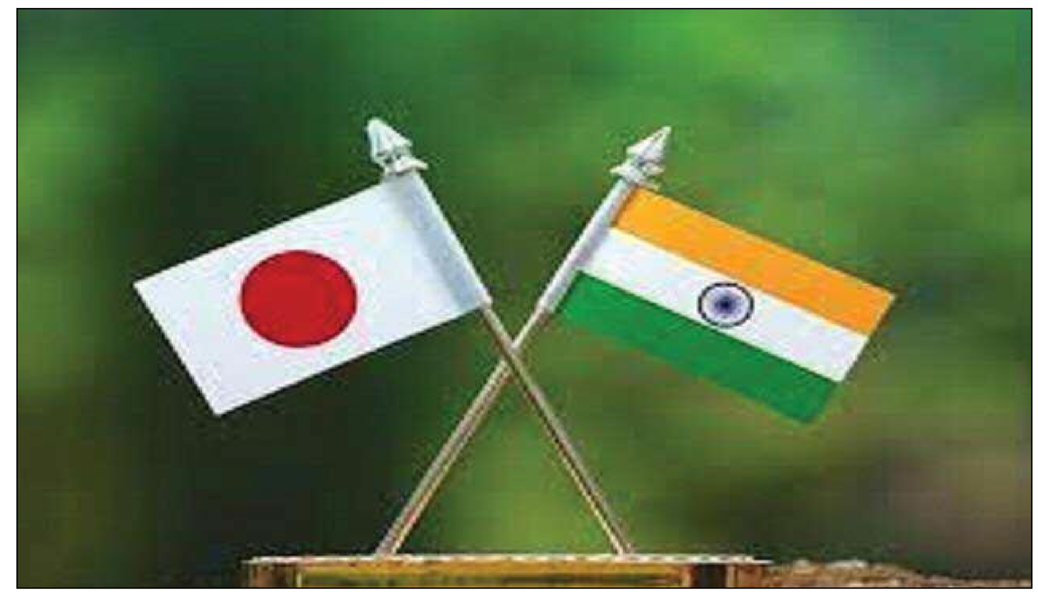

भारत-जापान संबंधों के लिए मौजूदा साल 2022 मील का पत्थर है। दरअसल दोनों देशों के बीच 1950 में ही सकारात्मक राजनयिक संबंधों का श्रीगणेश हुआ था। दोनों देशों को भगवान बुद्ध के अलावा शांति, अहिंसा तथा भाईचारा के संदेश ही करीब लाते थे। बौद्ध धर्म के अलावा जापान में गुरुदेव रविन्द्रनाथ टेगौर का भी बहुत सम्मान किया जाता है। इसके साथ ही टोक्यो यूनिवर्सिटी में हिन्दी का अध्यापन साल 1908 से ही चालू हो गया था। भारत से बाहर सबसे पहले हिन्दी की टोक्यो यूनिवर्सिटी में ही पढ़ाई चालू हुई थी। भारत के स्वतन्त्रता संघर्ष के दौरान भी जापान की शाही सेना ने सुभाष चन्द्र बोस की आजाद हिन्द फौज को सहायता प्रदान की थी। तो इस तरह भारत और जापान को कई बिन्दु करीब लाते हैं।

दरअसल, जापान उन देशों में से नहीं है जो किसी से व्यापारिक संबंध बनाते हुए अन्य देश का शोषण करने के संबंध में सोचता हो। जापान ने विगत सत्तर साल के दौरान विभिन्न परियोजनाओं को धन उपलब्ध करवाने में भारत की खुले हाथ मदद की है। अब जापान की मदद से ही भारत में बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट आ रहा है। जापान दूसरे देशों को जिस दर पर ऋण देता है, उससे काफी कम दर पर भारत को मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए जरूरी राशि मुहैया करा रहा है। ऋण वापसी की मियाद भी 25 वर्षों की जगह 50 वर्ष रखी गयी है। आर्थिक दिक्कत से जूझ रहे दिल्ली मेट्रो रेल निगम के चौथे फेज के निर्माण में तेजी लाने के लिए जापानी कंपनी जापान इंटरनेशनल कॉ-ऑपरेशन एजेंसी ने मदद का हाथ बढ़ाया है। यह कंपनी चौथे चरण के ट्रैक के निर्माण के लिए आर्थिक मदद देने के लिए तैयार हो गई है। इस बाबत जरूरी प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। माना जा रहा है कि आर्थिक मदद मिलते ही दिल्ली मेट्रो के चौथे चरण के निर्माण कार्य में और तेजी आएगी। कोरोना वायरस संक्रमण के चलते बंद रही दिल्ली मेट्रो को 1500 करोड़ रुपये के आसपास का घाटा हो गया। ऐसे में नए प्रोजेक्ट के लिए आर्थिक दिक्कत आ रही थी।

> "तो भारत-जापान की चीन को लेकर स्थिति भी लगभग एक है। इसलिए दोनों देशों को चीन का भी हर स्तर पर मुकाबला करना होगा।"

भारत में जापान की दर्जनों कंपनियों ने अरबों रुपये का निवेश किया है। उन पर कभी कोई इस तरह के आरोप नहीं लगा सका है, जिससे कोई उनकी मंशा पर सवाल खड़ा करता हो। दिल्ली, मुंबई, गुरुग्राम,नोएडा वगैह में हजारों जापानी नागरिक भारत के विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। भारत में रहने वाले जापानी नागरिक भारत के उज्वल भविष्य को लेकर बेहद आशावादी हैं। ये जापानी होंडा सिएल कार, होंडा मोटरसाइकिल, मारुति, फुजी फोटो फिल्मस, डेंसो सेल्ज लिमिटेड, डाइकिन श्रीराम एयरकंडशिनिंग, डेंसो इंडिया लिमिटेड समेत लगभग दो दर्जन जापानी कंपनियों के भारत के विभिन्न भागों में स्थित दफ्तरों और फैक्ट्रियों में काम करते हैं। ये भगवान बुद्ध के अनुयायी तो हैं ही । ये भारतभूमि को गौतम बुध की भूमि होने के कारण ही पूजनीय मानते हैं । ये मानते हैं कि भगवान बौद्ध का जीवन समाज से अन्याय को दूर करने के लिए समर्पित था। उनकी करुणा भावना ने ही उन्हें विश्व भर के करोड़ों लोगों के हृदय तक पहुंचाया। इन जापानियों में भी भारतीय संस्कार ही हैं। ये आदतन मितव्ययी होते हैं। ये भी भारतीयों की तरह ही संयुक्त परिवार की संस्था को महत्व देते हैं। अगर कुछ जापानी एक-दूसरे के करीब रहते हैं, तब ये कार पूल करके ही दफ्तर जाना पसंद करते हैं। तो यह कह सकते हैं कि आमतौर पर दोनों देशों की नैतिकताएं मिलतीजुलती हैं।

निश्चित रूप से जापान भारत को विशेष मित्र का दर्जा देता है। जापान भारत से अपने को भावनात्मक स्तर पर करीब पाता है। जापान से भारत में हर साल हजारों की संख्या में बुद्ध धर्म को मानने वाले तीर्थयात्री आते हैं। बौद्ध अनुयायियों का गौतम बुद्ध की जन्मस्थली भारत को लेकर आकर्षण स्वाभाविक है। बोधगया-राजगीर-नालंदा सर्किट देश के सबसे खासमखास पर्यटन स्थलों में माना जाता हैं। राजधानी के इंद्रप्रस्थ पार्क में स्थित विश्व शांति स्तूप की व्यवस्था करती हैं कात्सू सान। वो मूलतः जापानी हैं। वो सन 1956 में ही भारत आ गईं थीं, भारत और बुद्ध धर्म को करीब से जानने के इरादे से। एक बार भारत आने के बाद यहां पर उनका मन इस तरह से लगा कि फिर उन्होंने यहां पर बसने का ही निर्णय ले लिया। वो भारत को संसार का आध्यात्मिक विश्व गुरु मानती हैं। कात्सू जी धारा प्रवाह हिन्दी बोलती हैं। उन्होंने हिन्दी प्रसिद्ध साहित्यकार काका साहेब कालेलकर जी से सीखी थी। वो राजधानी में सरकार की तरफ से होने वाली सर्वधर्म प्रार्थना सभाओं का गुजरे दशकों से एक स्थायी अंग हैं। आगामी 30 जनवरी को गांधी जी के बलिदान दिवस पर राजघाट में होने वाली प्रार्थना सभा में भी वे भाग लेंगी। वो कहती हैं कि भारत- जापान मैत्री अटूट है, क्योंकि इसका आधार भगवान बुद्ध हैं जो भारत से हैं।

भारत-जापानी संबंधों पर बात करते हुए चीनी दृष्टिकोण को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। जापान के उपप्रधानमंत्री के तौर पर तारो असो 2006 में भारत के दौरे पर आए थे। उस वक्त उन्होंने कहा था, फ्अतीत के 1500 सालों से भी ज़्यादा वक्त से इतिहास का ऐसा कोई वाक़या नहीं है, जब चीन के साथ हमारा संबंध ठीकठाक रहा हो। इस बीच, भारत और चीन के संबंध भी कतई मौत्रीपूर्ण नहीं माने जा सकते। चीन ने भारत की हजारों एकड़ जमीन पर कब्जा जमाया हुआ है। भारत-चीन के बीच सीमा विवाद हल होने का नाम ही नहीं ले रहे हैं, क्योंकि, चीन की नीति कभी पारदर्शी रही ही नहीं। वो भारत के शत्रु पाकिस्तान का परम मित्र भी हैं। तो भारत-जापान की चीन को लेकर स्थिति भी लगभग एक है। इसलिए दोनों देशों को चीन का भी हर स्तर पर मुकाबला करना होगा।
(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तभकार और पूर्व सांसद हैं)

अलविदा कमाल खान : आपका सिर्फ नाम ही नहीं काम भी कमाल का था

रवि शंकर राय

ये जो मिसौजीनी (Misogyny) है किसी राजनीति से नहीं समाज से आती है। इसकी जड़े बहुत गहरी हैं।

गाँव में अभी भी महिलायें अपने मर्दों के कहने पर वोट देती हैं,या जाति के कहने पर, या प्रधान जी के कहने पर वोट देती हैं।कुछ समय पहले की बात है महिलाएँ विधानसभा पर प्रदर्शन कर रही थी मुख्यमंत्री के विरोध में और वहाँ वाटर कैनन चलने लगा।

हम लोग फुटपाथ पर खड़े थे और महिलाओं की एक नेता हमारे पास भाग करके आयीं शेड में खड़े होने के लिए।हमने उनसे पूछा की आप क्या करने जा रहीं थी की आप के ऊपर वाटर कैनन चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा की हम मुख्यमंत्री जी को चूड़ियाँ भेंट करने जा रहे थे और ये हमें रोक रहे हैं। हमने पूछा की आप मुख्यमंत्री जी को चूड़ियाँ क्यों भेंट करना चाहती हैं। उन्होंने ने कहा की वो नकारा है इसलिए हम उन्हें चूड़ियाँ भेंट करना चाहते हैं। हमने उनसे पूछा की जो लोग चूड़ियाँ पहनते हैं क्या वो नकारा होते हैं।तो अचानक वो चौंक गयी और उनको समझ नहीं आया की इसका क्या जवाब दें। ये जो पेटियारिकी (Patriarchy -पितृसत्ता) है वो केवल मर्दों का पेशा नहीं है ये उतना ही औरतों का है, इसकी जड़ें बहुत गहरी हैं।हमारे घर में आज भी जो महिला खाना बनाती हैं उन्हें हम चाची कहते हैं।जब हम खाने की मेज़ पर बैठते हैं और वो रोटी सेक कर लाती हैं तो सबसे पहले हमारी प्लेट में डालती हैं, हमारी वाइफ़ की प्लेट में नहीं डालती।क्योंकि उन्होंने अपने घर में हमेशा मर्दों के बाद खाना खाया है- कमाल खान 13 जनवरी 2022 एनडीटीवी प्राइम टाइम रात्रि 9 बजे।

क्या पता था की आपका 13 जनवरी 2022 रात्रि 9 बजे का ये एपिसोड अंतिम एपिसोड हो जाएगा और 14 जनवरी को खबरों की दुनियाँ के 'तहज़ीब के सूर्य' का सूर्यास्त हो जाएगा। आपका ये असमय जाना समाचार जगत के हर तहज़ीब पसन्द दर्शक की अपूरणीय क्षति है। इस कानफोड़ू और दिमाग़खाऊ ख़बरिया चैनलों के युग में गरीब दर्शक अपनी मानसिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और बौद्धिक खुराक अब कहाँ से पाएगा।

'अब वो लखनवी तहज़ीब कौन सिखाएगा
अयोध्या और बनारस अब कौन दिखाएगा'
'थोड़ी तहज़ीब सीख लूँ तुझसे
बस इतना ही है नवाबी ख़्वाब
ऐ शाम-ए-अवध तुझे सलाम
ए तहज़ीबें कमाल तुझे सलाम'

अलविदा कमाल खान
#भावभीनी_श्रद्धांजलि

काशी के 'महानायक' (वीरभद्र मिश्र)

भगवति गंगा के हनुमान
****

अरे, रे ... 10 जनवरी (1939) । यह बेहद महत्वपूर्ण तारीख कैसे भूल गयी ? आज 15 जनवरी को ख्याल आया कि उस दिन पूज्य स्व. वीरभद्र मिश्र जी का जन्मदिन था ।

मिश्र जी को कभी टाइम मैगजीन द्वारा कराई गयी 'ओपिनियन पोल ' में चौथे नम्बर पर रखकर 'हीरो ऑफ दी प्लैनेट / फ्रेश वॉटर ' , की अत्यंत सम्मानजक उपाधि देकर 'मिलेनियम पर्सनालिटी ' चुना गया था ।

वह काशी हिंदू विश्वविद्यालय प्रौद्योगिकी संस्थान (अब आइआइटी) में सिविल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर , विभागाध्यक्ष थे और विश्वविख्यात संकट मोचन मंदिर (वाराणसी) के महंत भी । संकट मोचन फाउंडेशन के वर्तमान अध्यक्ष काशी हिंदू विश्वविद्यालय आइआइटी में इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष और प्रोफेसर पंडित विश्वम्भरनाथ मिश्र , उन्हीं के बड़े पुत्र हैं ।

वह गंगा के पक्ष में संस्कृति के योद्धा थे । अविरल और निर्मल गंगा उनका मिशन था । उनकी स्मृति एक बहुत जरूरी सवाल की शक्ल में दिमाग में कौंध रही है । संकट मोचन और उनके प्रति आस्था रखने वाले काशी के लोग किसी न किसी दिन तो जरूर पूछ लेंगे -- क्या हुआ नमामि गंगे योजना का ? कितना काम हुआ ?

कुछ स्मृतियों में बड़ी आंच होती है । महंत जी मुझे बहुत स्नेह देते थे । उनकी ही वजह से मुझे संकट मोचन दर्शन करने और काशी घूमने आये तमाम विदेशी राजनयिकों (राजनेता - डिप्लोमेट) और विश्वप्रसिद्ध संगीतज्ञों से साक्षात्कार का मौका मिला । संकट मोचन संगीत महोत्सव में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी तो कई बार आयीं थीं । उनकी भारतीय शास्त्रीय संगीत में रुचि भी थी । उस्ताद अमीर खां की शिष्या विदुषी कंकणा ने बताया था कि इसी संकट मोचन प्रागंण में

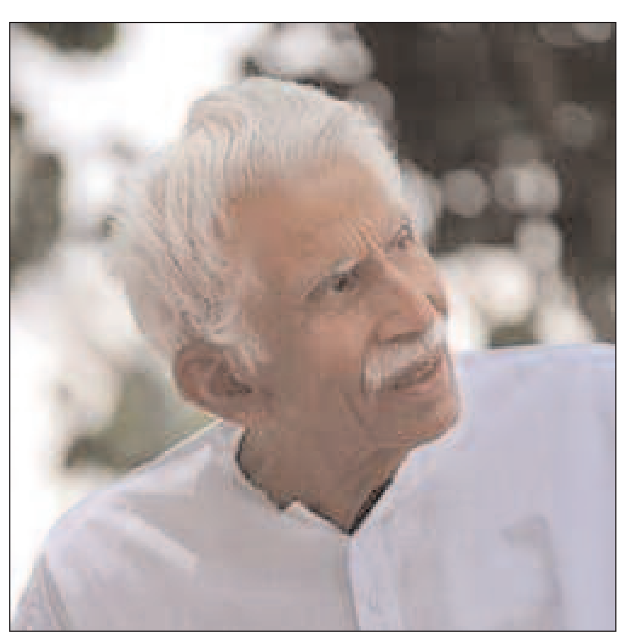

1979 में इंदिरा गांधी ने उनसे आग्रह करके पवनपुत्र हनुमान .. भजन सुना था ।

प्रधानमंत्री मोदी जी आग्रह , आमंत्रण के बाद भी संकट मोचन संगीत महोत्सव में कभी नहीं आये । नहीं जानता क्या वजह रही होगी । 2015 के संकट मोचन संगीत महोत्सव में एक संदेश उन्होंने जरूर ट्वीट किया था -- मैं भविष्य में इस तरह के कार्यक्रमों में शामिल होने की इच्छा व्यक्त करता हूं , जहां बहुत से जाने - माने कलाकार दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे । मैं बताना चाहता हूं कि मैं विगत में और व्यक्तिगत तौर पर भी गुलाम अली साहब को सुन चुका हूं । संकट मोचन में 8 से 12 अप्रैल तक चलने वाला संगीत समारोह संगीत प्रेमियों के लिए मुकम्मल मायनों में एक सौगात ही होगी । मैं अपने व्यस्त कार्यक्रम की वजह से आयोजन में शामिल होने में असमर्थ हूं । इस उत्सव में शामिल होकर मैं खुद को सौभाग्यशाली समझता ।

मैं नहीं जानता कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को यह पता है कि नहीं कि यहां उनकी दादी स्व. इंदिरा गांधी की स्मृति जलतरंग पर बजती है । वीरभद्र मिश्र जी का देहावसान 13 मार्च 2013 को हुआ ।

अक्सर कहा करते थे --
और देवता चित्त न धरहीं
हनुमत सेइ सर्वसुख करहीं

गंगा उनके एि मां भगवती थीं और वह उनके हनुमान । उन्होंने खुद को मां गंगा का बेटा कभी नहीं कहा । वह तो गंगा के किनारे की भारत की अप्रतिम मेधा के प्रतिनिधि थे । काशी को उनपर गर्व था , रहेगा । वह ऋषि थे । महामना के बाद वह काशी की दूसरी विभूति थे ।

आज की राजनीति को संत - महंत तो चाहिए लेकिन ऐसा ऋषि व्यक्तित्व नहीं । यही वजह है कि उनके पुत्र प्रोफेसर विश्वम्भरनाथ मिश्र भी राजनीति से निर्वासित ही हैं या उनकी इच्छा भी न हो ।

******

बहुत याद है

******

......यह तुलसीघाट स्थित श्री मिश्र का आवास है । बड़े बैठक

की खुली खिड़कियों से , उस पार रामनगर तक गंगा का आभावान विस्तार जैसे ढाई गुने साढ़े तीन फुट के फ्रेम में जड़ दिया गया है । गंगा की सतह छू कर हवा की हल्की लहर खिड़की से इस कक्ष में तैर आयी है । सुबह का सूरज गंगा की सतह से थोड़ा खिसक कर , लेकिन किनारों पर झुका सा लग रहा है । आसक्त । क्योंकि यह कबीर , नानक , रैदास , अघोरेश्वर भगवान कीनाराम और तैलंग स्वामी की धरती है ।

श्री मिश्र अपनी नित्य की पूजा खत्म कर चुके हैं । आस्ट्रेलिया की सू लेनाक्स और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के डॉ. वेळीग्रीन उन्हीं से मिलने आये हैं । श्री मिश्र डॉ. वेळीग्रीन से मेरा परिचय कराते हैं , जिन्होंने गंगा में गिरने वाले गंदे पानी और मलशोधन के लिए एक मशीन डिजाइन की है । वह भारत सरकार की राष्ट्रीय नदी संरक्षण निदेशालय की विशेषज्ञ समिति के सामने , संकट मोचन फाउंडेशन द्वारा प्रस्तुत विकल्प देखने आये हैं ।

सू लेनाक्स , आस्ट्रेलिया में नदियों की रक्षा में संलग्न आजग्रीन संस्था की सदस्य हैं । स्वच्छ गंगा अभियान से जुड़े ऐसे कई लोग , बैठक में मौजूद हैं । श्री मिश्र भारत में सतत प्रवाहित सांस्कृतिक लोक , गंगा के लिए पवित्र युद्ध में लगे , अकादमिक हैं । वह कहते हैं कि उन्होंने स्वच्छ गंगा अभियान को सामाजिक मुद्दा बनाने की हर कोशिश की । कठिन श्रम किया लेकिन , आंशिक सफलता मिली । स्थानीय खासकर हिंदी अखबारों में उनके प्रयास को शायद ही कभी फर्स्ट लीड मिली हो । वह खासकर हिंदी अखबारों में कभी हेडलाइन नहीं पा सके । गंगा काशी के लोगों की धमनियों में बह रही आस्था तो है , लेकिन उनमें उसे स्वच्छ करने की सक्रीयता नहीं है ।

श्री मिश्र कहते हैं -

अखबारों में नयी मॉडल की कार खबर बनती है । दवाइयां (पिल्स) और क्लीनिक जिनका दावा वजन घटाने और शरीर को छरहरा (स्लिम) बनाने का है , चमकदार खबर हैं लेकिन , गंगा जो भारतीयों की मेधा और सर्जना से जुड़ी है , उसका निरन्तर

प्रदूषित होते जाना , अखबार का विषय नहीं होता । अखबारों पर जनचेतना नहीं , बाजार भारी है । इसीलिए अब एडीटोरियल नहीं अखबारों में एडवर्टोरियल लिखा जाता है ।

बताते हैं कि वरुणा संगम पर गंगा के पानी में बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड (बीओडी) 25 मिलीग्राम प्रति लीटर है जबकि यह 3 मिलीग्राम प्रति लीटर से भी कम होना चाहिए । इस पानी में % फीकल क्लोरिफार्म % बैक्टीरिया प्रति 100 घन सेंटीमीटर में 15 लाख हैं , जबकि पीने लायक पानी में प्रति घन सेंटीमीटर , 500 से ज्यादा बैक्टीरिया नहीं होना चाहिए । इस पानी में % सैप्टिक % हो चुका है । तकरीबन 25 जगह के खुले नालों से गंगा में काशी भर का मल और कचरा गिरता है। किसी को इसकी फिक्र नहीं है । मीडिया को भी नहीं ।

वह कहते हैं --

एक बार मैं अंदर तक स्तब्ध रह गया । गंगा में छाती तक खड़ा , सूर्य को अर्घ्य दे रहा था । तभी मुझसे ही मिलने आयी कनाडा की एक स्कॉलर ने पूछा था -

क्या मैं यह पवित्र जल पी सकती हूं ? नहीं जान पाया कि उसे क्या जवाब दूं । वैज्ञानिक चेतना और सनातन आस्था का भीषण संग्राम अपने भीतर कई दिन महसूसता रहा । मैंने उससे कुछ नहीं कहा ।

सू लेनाक्स के चेहरे पर वितृष्णा तैर गयी है । यहीं बैठे एक सज्जन के हाथ में दीपा मेहता की फिल्म % वॉटर % के स्क्रिप्ट के आपत्ति जनक अंशों का वर्णन करता पर्चा भी है ।

फिल्म का एक पात्र कहता है (स्क्रिप्ट में) --- काशी की पहचान किन बातों से होती है , मैं जानता हूं । यहां महामारी की तरह फैलता है हैजा , बेईमान पुजारी , लुटेरे पंडे और भूलना नहीं - गंगा में अधजले शव । यही है पवित्र गंगा । हां , ऐसी बहुत सी विशेषताएं हैं काशी में ।

मैं महंत जी को वह पर्चा दिखाता हूं । वह चुप रह जाते हैं । यहीं सिडनी से आये श्री रमन से बात होती है । कहते हैं फिल्म की स्टोरी में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं है । मुझे नहीं लगता कि फिल्म वॉटर में काशी की गरिमा के खिलाफ कुछ है लेकिन सच ने अन्हराई आस्था को भड़का दिया है । भगवा ब्रिगेड यह नहीं जानती कि , आम आदमी की चिंता , संस्कृति के साथ उनके सम्बन्ध और लोक की चिंता वे ही करते हैं , जो यथार्थजीवी हैं । हिन्दू समाज इतना अनुदार तो कभी नहीं था कि अतीत की विकृतियों को देखने तक को न तैयार हो । मैं सू लेनाक्स के साथ महंत जी की बैठक से निकल , तुलसी घाट की सीढ़ियां उतर रहा हूं । बस कुछ ही नावें सक्रिय हो पायी हैं ।

सू लंबी सांस खींचकर , गंगा का चौड़ा पाट निहारने लगती हैं । थोड़ा सा हटकर , दूर हरिश्चंद्र घाट की ओर , कुछ अघोरी किस्म के लोग , किसी विदेशी युवती के साथ चिलम पीने में मशगूल हैं ।

आस - पास के मंदिरों से सुब्बुलक्ष्मी की आवाज में शंकराचार्य विरचित भजन बज रहा है । (उनसे और संयुक्ता पाणिग्रही से मिलने का सुभाग भी महंत जी के ही जरिये संभव हो सका था)

सू लेनाक्स पूछ लेती हैं मुझसे -- क्या बनारस अछूत होने का दंश सहते , हाशिये पर के लोगों का शहर नहीं है ? क्या यह कठोर श्रम करके रोटी कमाने वाले , औघड़ गृहस्थों का शहर नहीं है ?

लौट आया हूं फिर महंत जी के पास । सू लेनाक्स का सवाल उनके ही सामने रख देता हूं ।

महंत जी कहते हैं -- गंगा मूलतः किसानों , मछुआरों के साथ तट पर बसे श्रमशील लोगों की ही है । गंगा समस्त जीवन का हिस्सा है और उसका महत्व जीवन के उदात्त मूल्यों व उद्देश्यों में ही निहित है ।....और काशी की तो यही विशेषता है कि यह मनुष्य और मनुष्यता के गौरव आरोहण के लिए देव सत्ता से भी टकरा सकता है । यह प्रगतिशील और मुक्तिकामी चेतना का शहर है ।

सोचता हूं महंत जी का यह यकीन आजीवन नहीं डिगा । हालांकि काशी ने उनके स्वच्छ गंगा अभियान को वह समर्थन नहीं दिया जिसकी अपेक्षा थी । भगवति गंगा के इस हनुमान को शत - शत नमन ।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर घायल हुए युवक की उपचार के दौरान मौत

संवाददाता

स्योहारा। शनिवार को नूरपुर मार्ग पर राणा पेट्रोल पंप के पास तेजी से आ रहे किसी अज्ञात वाहन चालक ने अनियंत्रित होकर विक्की मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी जिस कारण मोटरसाइकिल चालक रोहित कुमार (22) पुत्र परम सिंह निवासी ग्राम चुचेला कला थाना धनोरा मंडी गम्भीर रूप से घायल हो गया।

घायल को मौके से उसकी माता वह राहगीरों की मदद से ताजपुर ए.एच.एम हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया जहा उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

मृतक रोहित के परिजनों द्वारा घटना की तहरीर स्थानीय थाने में दे दी गई है। इसी संबंध में थाना हाजा पर मुकदमा अपराध संख्या 33/22 धारा 279 ,337 ,338, 304, 427 आई पी सी बनाम अज्ञात पंजीकृत कर मृतक रोहित के शव का पंचायत नामा भर पोस्टमार्टम हेतु भेजा जा रहा है।

संविलियन विद्यालय अमिलिया में विद्यालय का ताला तोड़कर चोरों ने किया चोरी

संवाददाता

फूलपुर प्रयागराज। फूलपुर थाना के अंतर्गत संविलियन विद्यालय अमिलिया में शीतलहर की छुट्टी पड़ने पर विद्यालय बंद हुए थे इसी बीच अज्ञात चोरों ने विद्यालय का ताला तोड़कर उसमें रखे खेल सामग्री व गैस सिलेंडर बर्तन और कागजात किए चोरी विद्यालय खुलने पर जब प्रधानाध्यापिका पुष्पलता ने देखा तो कमरे का ताला तोड़कर चोरों ने खेल सामग्री गैस सिलेंडर जरूरी कागजात किए चोरी जिस का प्रार्थना पत्र थानाअध्यक्ष फूलपुर को लेकर जांच कर कार्रवाई करने की प्रार्थना पत्र दिया।

मैदनिया पुल के नीचे मिला किशोरी का शव मचा हड़कंप

संवाददाता

मेजा प्रयागराज । मेजा तहसील के अंतर्गत मैंदनिया में बना नाले पर से लड़की कूदकर किया आत्महत्या

प्राप्त जानकारी के अनुसार भटौती निवासी भोदू निषाद की 14 वर्षीय पुत्री सुबह 5-00 बजे भोर घर से निकली लोगों ने खोजबीन की लेकिन पता नहीं चला सुबह जब लोग शौच के लिए गए तो देखा कि मैदनिया पुल के नीचे लडकी की लाश पड़ी है । पुल के पास लड़की कैसे पहुंची कोई नहीं बता पा रहा है सूचना पर थाना प्रभारी मेजा तुषार त्यागी,व मेजा रोड चौकी इंचार्ज मनीष कुमार सिंह मय फोर्स मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर जांच में जुटे।

जिलाधिकारी उमेश मिश्रा द्वारा आज विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 के अंतर्गत कलेक्ट्रेट परिसर स्थित नामांकन केंद्रों का किया गया निरीक्षण

संवाददाता
बिजनौर।

जिलाधिकारी उमेश मिश्रा द्वारा विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 के अंतर्गत आज पूर्वाहन 11-30 बजे कलेक्ट्रेट कैंपस स्थित नामांकन कक्षों का निरीक्षण करते हुए अपर जिलाधिकारी प्रशासन को निर्देश दिए कि सभी कक्षाओं में आरो तथा साफ़ के बैठने की व्यवस्था के साथ साथ कंप्यूटर एवं सीसी कैमरों की भी समुचित व्यवस्था करना सुनिश्चित करें तथा प्रत्येक कक्ष के बाहर निश्चित रूप से रैंप बनवाएं ताकि बुजुर्ग और दिव्यांग व्यक्तियों को कक्ष में प्रवेश करने में किसी प्रकार की कोई असुविधा न होने पाए। इस अवसर पर उन्होंने अपने कार्यालय कक्ष के सामने निर्मित होने वाले नए भवन भी का निरीक्षण किया, जहां दो विधानसभा क्षेत्रों के नामांकन कक्ष बनाए जाएंगे। उन्होंने कार्यदाई संस्था को निर्देश दिए कि कल सुबह तक दोनों कक्षों को तैयार करना सुनिश्चित करें ताकि उनमें समय पूर्वक सभी सामग्री एवं उपकरण आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन विनय कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक नगर डॉ प्रवीण रंजन तथा अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

पौष पूर्णिमा पर जिला अपराध निरोधक समिति प्रयागराज के स्वयंसेवकों का योगदान

संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेला 2022 के प्रथम स्नान पर्व पौष पूर्णिमा पर दिनांक 17 जनवरी 2022 को समिति के सैकड़ों स्वयंसेवकों द्वारा संपूर्ण मेला क्षेत्र एवं मेला के प्रवेश मार्गों तथा स्थान घाट एवं प्रमुख मंदिरों पर यात्रियों का सहयोग स्नान करने दर्शन करने एवं सुचारु आवागमन ने किया गया. स्वयंसेवकों द्वारा सभी लोगों को कोविड-19 से बचाव हेतु मार्क्स के प्रयोग एवं भीड़ भाड़ में दूरी बनाकर रखते के बारे में भी बताया गया।

सेवा के क्रम में ही मेला अधिकारी राजीव नारायण मिश्र के निर्देशानुसार मेले के प्रवेश मार्गों पर समिति के स्वयंसेवकों द्वारा जनमानस के बीच मास्क का वितरण एवं कैंप कार्यालय के गेट पर सैनिटाइजेशन एवं प्राथमिक उपचार की भी व्यवस्था की गई. सचिव संतोष कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने अरेल घाट झांसी घाट दशाश्वमेध घाट रामघाट सहित मंदिरों पर भी जनता का सहयोग किया .अन्य सहयोगियों में सतीश चंद्र बोस कुलदीप नायर श्री प्रशांत सिंह लक्ष्मी कांत मिश्रा डॉक्टर भंवर सिंह चमन जी राम बाबू सिंह आदि का भी विशेष सहयोग रहा . समिति के सचिव ने बताया आगामी पूरे माह जिला अपराध निरोधक समिति अपने कैंप कार्यालय के माध्यम से स्वयंसेवकों द्वारा मेला प्रशासन का सहयोग करती रहेगी ।

जिलाधिकारी ने नामांकन कक्षों सहित मुण्डेरा मंडी स्थित स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण

नामांकन कक्षों में सभी आवश्यक व्यवस्थायें करने के दिए निर्देश

संवाददाता

प्रयागराज। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार खत्री ने सोमवार को विधान सभा सामान्य निर्वाचन-2022 की तैयारियों के संदर्भ में विधानसभा के नामांकन कक्षों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने उप निर्वाचन अधिकारी/एडीएम प्रशासन को कक्षों में साफ-सफाई, पोताई, प्रकाश की व्यवस्था सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को कराये जाने के लिए कहा है। इसी क्रम में उन्होंने तहसील सदर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने फाइलों को व्यवस्थित ढंग से रखने का निर्देश दिया साथ ही निर्वाचन से सम्बंधित रजिस्टरों का भी निरीक्षण किया। तत्क्रम में जिलाधिकारी ने मुण्डेरा मंडी स्थित स्ट्रांग रूम के कक्षों का भी निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने मतगणना हॉलों को चयनित किये जाने के लए नीलामी चबुतरों का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने साफ-सफाई तथा जिन कक्षों में रंगाई-पोताई की जरूरत है, वहां पर रंगाई-पोताई का कार्य कराये जाने के लिए कहा है तथा पीडब्लूडी के अधिशाषी अभियंता को निर्देशित किया है कि विधानसभा वार मैप बनाकर दो दिनों के अंदर प्रस्तुत करने के लिए कहा है। इस अवसर पर एडीएम प्रशासन हर्षदेव पाण्डेय सहित सभी सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नाला निर्माण के नाम पर तकनीकी सहायक ने धोखाधड़ी से निकाली रकम

ग्राम प्रधान ने पुलिस को सौंपी तहरीर व पंचायत सचिव ने खंड विकास अधिकारी को मामले से कराया अवगत

नजीबाबाद/ गुनियापुर। ग्राम पंचायत मथुरापुर मोर के ग्राम प्रधान व पंचायत सचिव ने तकनीकी सहायक पर बिना किसी प्रस्ताव के नाला निर्माण कराए जाने व धोखाधड़ी कर मोटी रकम निकाले जाने का आरोप लगाया है। ग्राम प्रधान व पंचायत सचिव ने खंड विकास अधिकारी को पूरे मामले से अवगत कराया है। विकासखंड नजीबाबाद की ग्राम पंचायत मथुरापुर मोर के ग्राम प्रधान खुर्शीद अहमद व पंचायत सचिव अक्षय कुमार ने खंड विकास अधिकारी को भेजे पत्र में बताया कि उनकी ग्राम पंचायत में तैनात तकनीकी सहायक सुशील कुमार द्वारा अवैध रूप से गांव में भूदेव के खेत के पास ग्राम पंचायत से प्रस्ताव पास कराए बिना मनरेगा योजना के अंतर्गत पुलिया निर्माण कार्य कराया जा रहा है । उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि तकनीकी सहायक सुशील कुमार ने धोखाधड़ी से लेबर मस्टरोल पास कराकर स्टीमेट पर रोजगार सेवक तथा ग्राम प्रधान के हस्ताक्षर कराए बिना व ग्राम पंचायत सचिव की स्थिति स्टेटमेंट पर पंचायत सचिव के फर्जी हस्ताक्षर कर मुहर लगाकर अवैध रूप से मोदी का रकम निकालने का आरोप लगाया है। ग्राम प्रधान खुर्शीद अहमद ने थाना नजीबाबाद व ग्राम पंचायत मथुरापुर मोर मे तैनात सचिव अक्षय कुमार ने खण्ड विकास अधिकारी नजीबाबाद को एक प्रार्थना पत्र दिया जिसमे अवगत कराया गया है कि वह ग्राम पंचायत मथुरापुर मोर मे सचिव के पद पर तैनात है। ग्राम पंचायत मथुरापुर मोर मे भूदेव सिंह के खेत के पास स्थित पुलिया निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इस कार्य के दो पी टी ओ पर ग्राम प्रधान के हस्ताक्षर के बिना व ग्राम पंचायत सचिव अक्षय कुमार के फर्जी हस्ताक्षर व मुहर लगाकर 29 दिसम्बर 2021 को तकनीकी सहायक सुशील कुमार द्वारा 27864 तथा 4 जनवरी 2022 को 27864 कुल रकम 55726 रुपए अवैध रूप से निकाल कर सरकारी धन का दुरुपयोग कर लिया है । ग्राम प्रधान खुर्शीद अहमद व ग्राम पंचायत सचिव अक्षय कुमार ने तकनीकी सहायक सुशील कुमार द्वारा अवैध रूप से सरकारी धन निकाले जाने की जांच कराकर सम्बंधित दोषियों के विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है।

अधिसूचित विभाग के कर्मचारी अपने मताधिकार का प्रयोग पोस्टल बैलट के माध्यम से कर सकते हैं: डीएम

बिजनौर। जिला निर्वाचन अधिकारी उमेश मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के अंतर्गत भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आवश्यक सेवाओं में कार्यरत व्यक्तियों की श्रेणी में अनुपस्थित मतदाताओं के लिए डाक मतपत्र की सुविधा प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि आयोग द्वारा आवश्यक सेवाओं से संबंधित अधिसूचित विभागों में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, डाक विभाग, परिवहन विभाग, रेलवे, विद्युत विभाग, नागरिक उड्डयन विभाग, मेट्रो रेल कारपोरेशन उत्तर प्रदेश, दूरदर्शन, ऑल इंडिया रेडियो तथा भारत संचार निगम लिमिटेड को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि उपरोक्त विभागों से संबंधित यदि कोई कर्मचारी जो पोस्टल बैलट के माध्यम से मतदान करना चाहता है तो वह फार्म - 12 घ पूर्ण रूप से भरकर अपने विभाग अध्यक्ष से प्रमाणित कराते हुए नामनिर्देशन के अंतिम दिनांक से पूर्व संबंधित रिटर्निंग ऑफिसर को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

बढ़ापुर विधानसभा से लाखन सिंह पाल को प्रत्याशी बनाए सपा

अखिल भारतीय पाल महासभा ने बैठक कर सपा मुखिया अखिलेश यादव से की मांग

अफजलगढ़। क्षेत्र के गांव हिदायतपुर चौहड़वाला में अखिल भारतीय पाल महासभा शाखा उत्तर प्रदेश की ओर से पाल समाज की एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से बढ़ापुर 19 विधानसभा क्षेत्र से डॉ लाखन पाल सिंह को प्रत्याशी बनाने की मांग की है। सोमवार को गांव हिदायत चौहड़वाला में अखिल भारतीय पाल महासभा के जिलाध्यक्ष डॉ परवीन सिंह पाल के आवास पर एक पाल समाज की बैठक आयोजित की गई । जिसमें कोविड के नियमों का पालन करते हुए वक्ताओं ने बढ़ापुर 19 विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी से डॉ लाखन पाल सिंह को प्रत्याशी बनाने की मांग की है। वक्ताओं ने कहा कि डॉ लाखन पाल सिंह काफी समय से सपा संगठन को मजबूत करने का कार्य कर रहे हैं वक्ताओं ने कहा कि बढ़ापुर 19 विधानसभा क्षेत्र में 43060 की संख्या में पाल समाज रहता है। वक्ताओं ने कहा कि पाल समाज उस राजनीतिक पार्टी को वोट देगा जो पार्टी उन्हें सम्मान देने का काम करेंगे ।वक्ताओं ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से बढ़ापुर 19 विधानसभा क्षेत्र से डॉ लाखन पाल सिंह को प्रत्याशी बनाने की मांग की है। बैठक का संचालन जिलाध्यक्ष डॉ परवीन सिंह पाल ने किया। इस अवसर पर चन्द्रपाल सिंह,समरपाल सिंह, सुनील पाल सिंह,मुरारी सिंह, नत्थू पाल सिंह, विजयपाल सिंह, खुशीराम पाल, डॉ राजपाल सिंह, गजराज सिंह, यादराम सिंह, रोबिन पाल सिंह, लोकेश पाल सिंह, ओमप्रकाश पाल सिंह, विरेन्द्र पाल सिंह, डॉ मनोज कुमार तथा मख्खन सिंह पाल आदि मौजूद रहे।

विवेक कॉलेज में पीठासीन एवं मतदान अधिकारियों का प्रशिक्षण शुरू

-अनुपस्थित कार्मिकों के विरूद्ध होगी कार्यवाही : जिला निर्वाचन अधिकारी

बिजनौर। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीएम उमेश मिश्रा ने कहा कि मतदान सम्पन्न कराने में पीठासीन अधिकारी/मतदान अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। सभी संबंधित अधिकारी अपनी शंका का समाधान प्रशिक्षण स्थल पर ही मास्टर ट्रेनर से करें। उन्होंने सलाह देते हुए कहा कि मतदान कार्मिकों के दायित्वों से संबंधित इन्टरनेट पर उपलब्ध वीडियो से भी सहयोग लें। सभी पीठासीन अधिकारी मतदान से पूर्व आयोग की निर्देशिका का गहनता से अध्यन कर उसमें दिये गये निदेशों का शत-प्रतिशत कड़ाई से पालन करें, चुनाव डयूटी के दौरान कोई भी मतदान कार्मिक बिना मास्क पहने न रहे और साथ में सेनिटाइजर भी रखकर समय समय पर उसका प्रयोग भी करें। श्री उमेश मिश्रा आज विधान सभा सामान्य निर्वाचन-2022 के अंतर्गत मतदान प्रक्रिया को सम्पन्न कराने के लिए विवेक कालेज परिसर में आयोजित पांच दिवसीय पीठासीन अधिकारी सहित मतदान कार्मिकों के प्रथम प्रशिक्षण कार्यक्रम के अवसर पर निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि पीठासीन अधिकारियों की सुरक्षा के लिए पुलिस बल मौजूद रहेगा। मतदान स्थल पर ही उनके दैनिक क्रिया आदि की व्यवस्थाएं भी उपलब्ध रहेंगी। उन्होंने स्पष्ट रुप से कहा कि प्रशिक्षण के दौरान जो भी मतदान कार्मिक अनुपस्थित पाया जायेगा, उसके विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सेक्टर प्रभारियों को दिए निर्देश

बिजनौर। एएसपी नगर डॉ. प्रवीन रंजन सिंह की अगुवाई में रिजर्व पुलिस लाइन के सभागार कक्ष में आयोजित जनपद के सभी थानों पर तैनात सैक्टर प्रभारियों की गोष्ठी में निर्देश? दिए कि अपने सैक्टर में मतदान केन्द्रों का पूर्व में भ्रमण कर वहां अपना, चौकी, हल्का प्रभारी, थाना प्रभारी का फोन नम्बर चस्पा करवाएं, मतदान केन्द्र पर गोष्ठी कर एम.सी.सी. के बारे में जानकारी देते हुए उसके अनुपालन की हिदायत दें, 4 बूथ या इससे अधिक के मतदान केन्द्रों पर तथा ऐसे मतदान केन्द्रों पर जहां चारदीवारी नहीं है, राजस्व विभाग के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर बेरिकेडिंग कराएं, मतदान केन्द्र के अन्दर असामजिक तत्वों/ट्रबुल मेकर की पहचान कर लाल कार्ड प्राप्त कराकर उनसे प्राप्ति के हस्ताक्षर लें, मतदान केन्द्र के पास 5-5 व्यक्तियों को पीला कार्ड प्राप्त कराएं। उनके मोबाईल नम्बर सत्यापित करें तथा मतदान के दिन उन्हें मोबाईल नम्बर खुला रखने व मतदान केन्द्र पर कोई समस्या के सम्बन्ध में अवगत कराये जाने हेतु ब्रीफ करें, मतदान केन्द्र के अन्दर पुलिस सहयोगी को हरा कार्ड उपलब्ध कराएं, जिस पर पुलिस अधिकारियों के फोन नम्बर अंकित हैं, मतदान केन्दों पर पर्ची का बस्ता लगाने वाले व्यक्तियों की जानकारी कर उन्हें ब्रीफ करें। साथ ही उनके लिये स्थान चिन्हित करें। मतदान के 48 घंटे पूर्व से कोई शराब, सामग्री आदि न बंटने पाये, मतदान के एक दिन पूर्व शाम को केन्द्र पर मतदान पार्टि?ों एवं पुलिस बल को चैक कर थाना प्रभारी/कन्ट्रोल रूम, चुनाव कार्यालय को रिपोर्ट करें कि सभी उपस्थित हैं अथवा नहीं। कोई समस्या तो नहीं है, मतदान केन्द्र पर बूथों पर नियुक्त पुलिस बल को ब्रीफ करें। एएसपी नगर ने यह भी निर्देश दिए कि चुनाव आयोग के निर्देशन के अनुसार मतदान निष्पक्ष कराने हैं।

बंद पड़े मकान के ताले तोड़कर चोरों ने लाखों के जेवरात उड़ाए

नगीना । बेखौफ चोरों से एक व्यक्ति के बंद पड़े मकान के ताले तोड़कर लाखों रुपए के जेवरात व अन्य सामान चोरी कर लिया ।घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी। थाना क्षेत्र के मोहल्ला बिश्नोई सराय निवासी सुमित मल्होत्रा रोजगार की तरफ से काफी परेशान चल रहे थे। तमाम प्रयासों के बाद भी जब उनको कोई काम नहीं मिला तो वह घर को ताला कर लगभग 20 दिन पूर्व रोजगार की तलाश में देहरादून चले गए थे। इसी बीच उनकी गैरमौजूदगी का फायदा उठाकर चोरों ने उनके मकान के मुख्य गेट तथा कमरों के ताले तोड़कर पूरा घर खंगाल डाला। सुमित के मुताबिक चोर अलमारी में रखे लगभग एक लाख रुपए सोने चांदी के जेवरात व अन्य सामान चोरी करके ले गए। घटना का पता सुबह होने पर तब चला जब पड़ोसियों ने मकान के टूटे हुए ताले व बिखरा सामान देख सूचना मकान स्वामी को दी। चोरी की घटना से मोहल्ले के लोगों में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही मकान स्वामी मौके पर पहुंच गया। घटना की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। कोतवाल कृष्ण मुरारी दोहरे का कहना है कि जल्द ही घटना का खुलासा कर दिया जाएगा।

आपसी संघर्ष में नर गुलदार की हुई मौत, शव का पीएम कराकर बिसरा जांच को भेजा

नजीबाबाद। बिजनौर वन प्रभाग नजीबाबाद की कौड़िया रेंज के अंतर्गत ग्राम ढकिया बावनसराय में एक नर गुलदार की मौत हो गई। वन विभाग ने जांच के बाद गुलदार की मौत का कारण आपसी संघर्ष को बताया है। रविवार की रात्रि वन विभाग की टीम को सूचना मिली थी कि कौड़िया रेंज के अंतर्गत ग्राम ढकिया बावन सराय में एक गुलदार मृत अवस्था में पड़ा है। सूचना पर डीएफओ डॉ एम के शुक्ला के निर्देश पर कौड़िया के रेंज अधिकारी विकास सिंटोरिया मय टीम के मौके पर पहुंचें, जहां उन्होंने गुलदार के शव को कब्जे में ले लिया। इस मामले की सूचना तुरंत ही विभाग के उच्च अधिकारी को दी गई और मृत गुलदार के शव को पोस्टमार्टम के लिए ले सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। वन? विभाग के अधिकारी के अनुसार कौड़िया रेंज के ढकिया कम्पार्टमेंट दो में मिले मृत नर गुलदार के मामले में प्रथम दृष्टया गुलदार की मौत आपसी संघर्ष में हुई मानी जा रही है। मृत गुलदार की उम्र लगभग साढ़े तीन साल है। गुलदार के शरीर पर मिले चोट के निशान और घाव इशारा करते हैं कि उसकी मौत आपसी संघर्ष में ही हुई होगी। गुलदार के शव का पोस्टमार्टम डॉ दक्ष गंगवार एवं उनकी टीम ने किया, गुलदार का बिसरा आईवीआरआई बरेली को भेजा गया है। जहां से रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का स्पष्ट कारण बताया जा सकेगा।

टाइगर रिजर्व रेंज में लगाया गया स्वास्थ्य शिविर

एक सौ से अधिक लोगों का किया गया परीक्षण व लगाई गई वैक्सीन

अफजलगढ़। बिजनौर सामाजिक वानिकी प्रभाग की अमानगढ़ टाइगर रिजर्व में विश्व प्रकृति निधि भारत (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ दिल्ली), चिकित्सा विभाग बिजनौर एवं दी कॉर्बेट फाउंडेशन की संयुक्त तत्वावधान में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में वन कर्मियों एवं वन क्षेत्र के आस-पास रहने वालों ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। दी कॉर्बेट फाउंडेशन के डॉ. ललित कुमार एवं कासिमपुर गढ़ी के चिकित्सक डॉ. संजय कुमार सिंह ने शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाइयों का वितरण किया। इस दौरान जरुरतमंदों को कोविड-19 वैक्सीन भी लगाई गईं। स्वास्थ्य शिविर में उप प्रभागीय वनाधिकारी नजीबाबाद हरी सिंह, रेंजर राकेश कुमार शर्मा एवं अन्य वनकर्मीगण तथा डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के मेराज अनवर व स्टाफ मौजूद रहा। इस अवसर पर शिविर में 26 वनकर्मी एवं 74 गुर्ज्जरों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

एएसपी नगर ने किया थाना कोतवाली शहर का अर्धवार्षिक निरीक्षण

बिजनौर। एएसपी नगर डॉ. प्रवीन रंजन सिंह ने थाना कोतवाली शहर का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण करने के दौरान थाना कार्यालय के विभिन्न रजिस्टरों, अभिलेखों के रखरखाव, शस्त्रागार, सीसीटीएनएस कार्यालय, मालखाना, हवालात, थाना कार्यालय व महिला हेल्प डेस्क आदि का अवलोकन किया। थाना परिसर का भ्रमण कर परिसर, बैरक, मेस व शौचालय आदि की साफ-सफाई के सम्बन्ध में भी निर्देश दिए।

11 विभागों में तैनात कर्मचारी चुनाव में डाल सकेंगे अपना मत

-निर्वाचन आयोग के आदेश पर डीएम ने दिए निर्देश

बिजनौर। जिला निर्वाचन अधिकारी उमेश मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के अंतर्गत आवश्यक सेवाओं में कार्यरत व्यक्तियों की श्रे णी में अनुपस्थित मतदाताओं के लिए डाक मतपत्र की सुविधा प्रदान की गई है। जिसमें सूचना एवं जनसंपर्क, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, डाक, परिवहन, रेलवे, विद्युत, नागरिक उड्डयन, मेट्रो रेल कार्पोरेशन उ.प्र., दूरदर्शन, ऑल इंडिया रेडियो तथा भारत संचार निगम लि. शामिल हैं। उन्होंने बताया कि उपरोक्त

मैंने अपने पुत्र मौ.वकील को अपनी चल व अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है तथा उससे व उसकी पत्नी समरजहां से मैंने व मेरे परिवार के अन्य सदस्यों ने अपने सम्बन्ध विच्छेद कर लिए हैं। शहनाज़ पत्नी शकील अहमद मौहल्ला पठानपुरा नजीबाबाद बिजनौर।

आंखों से नटखट इशारा करने वाली प्रिया प्रकाश हुई बोल्ड, ट्रांसपेरेंट ड्रेस ने उड़ाई लोगों की नींद!

आंखों से इशारा करके लोगों को अपना बनाना वाली प्रिया प्रकाश वारियर अब बोल्ड हो गई हैं. एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर ट्रांसपेरेंट ड्रेस पहन तस्वीर शेयर की है जो वायरल हो रही है.

फिल्म के एक सीन में आंख मारकर लोगों के दिलों की धड़कन बढ़ाने वाली प्रिया प्रकाश वारियर को आज किसी पहचान की जरूरत नहीं है. उनके कुछ साल पहले आए वीडियो ने लोगों के दिलों की की धड़कन इस कदर बढ़ा दी थी कि फैंस उनके हर एक तस्वीर का बेसब्री से इंतजार करते हैं. इस बीच एक्ट्रेस ने अपनी ट्रांसपेरेंट ड्रेस में ऐसी तस्वीर शेयर कर दी कि सोशल मीडिया पर तहलका मच गया.

ब्लैक स्कर्ट के साथ पहना ट्रांसपेरेंट टॉप

एक्ट्रेस ने अपनी ये लेटेस्ट तस्वीर अपने आधिकारिक अकाउंट स्टोरी पर शेयर की है. तस्वीर में एक्ट्रेस ब्लैक कलर की मिनी स्कर्ट के साथ काले रंग का ट्रांसपेरेंट टॉप पहने हुई हैं. ये टॉप इतना ज्यादा ट्रांसपेरेंट है कि एक्ट्रेस की नीले रंग की ब्रालेट साफ नजर आ रही है.

समंदर किनारे बैठी आईं नजर

इस तस्वीर में प्रिया समंदर किनारे बैठे नजर आईं. तस्वीर के पीछे का नजारा बेहद खूबसूरत है जिसमें सनसेट भी साफ नजर आया है.

इससे पहले बीच किनारे का वीडियो हुआ था वायरल

इससे पहले प्रिया प्रकाश का समंदर किनारे का वीडियो वायरल हुआ था. इस वीडियो में प्रिया अपनी कातिलाना अदाओं का जादू दिखाती दिखीं. वीडियो में एक्ट्रेस का ना केवल लुक लोगों को मदहोश किया बल्कि उनकी हर अदा ने लोगों को दीवाना बनाया.

'ओरू अदार लव' का ट्रेलर के बाद आई थीं सुर्खियों में

प्रिया प्रकाश वारियर साल 2019 में अपनी फिल्म 'ओरू अदार लव' का ट्रेलर आउट होने के बाद सुर्खियों में आई थीं. ट्रेलर के एक सीन में आंख मारकर एक्ट्रेस ने सबको अपना दीवाना बना दिया था. जिसके बाद वो नेशनल क्रश बनकर भी उभरीं.

रहती हैं सोशल मीडिया पर एक्टिव

प्रिया सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. आए दिन वो कोई ना कोई वीडियो या फिर तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं. उनके फैंस भी लगातार एक्ट्रेस की तारीफ करते रहते हैं. वहीं प्रिया भी अपने फैंस से जुड़ी रहती हैं.

मौनी रॉय की मिरर सेल्फी में आंखों ने चुराया लोगों का दिल! लुक से ज्यादा हो रही तारीफ

मौनी रॉय की हर अदा फैंस को पसंद आती है. सोशल मीडिया पर मौनी अपने अलग-अलग पोज में अक्सर तस्वीरें शेयर कर लोगों के दिलों की धड़कन बढ़ा देती हैं. इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ जब मौनी ने मिरर सेल्फी शेयर कर दी. इस सेल्फी में मौनी रॉय बेहद खूबसूरत और ग्लैमरस लुक में नजर आईं.

मिरर सेल्फी वायरल

मौनी रॉय ने सोशल मीडिया पर अपनी मिरर सेल्फी शेयर की है जो उनके फैंस को बहुत पसंद आ रही है. इसके साथ ही एक्ट्रेस ने अपनी कुछ और तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें वो कभी सीढ़ियों पर बैठकर पोज देती नजर आईं तो कभी टेबल के पास बैठे दिखीं. इन सभी तस्वीरों में मौनी का हर एक लुक उनके फैंस को पसंद आ रहा है.

ब्लैक ड्रेस में ढा रही कहर

इन तस्वीरों में मौनी ब्लैक रंग की ड्रेस में बेहद खूबसूरत लग रही हैं. तस्वीरों में एक्ट्रेस की ड्रेस स्टेप वाली है जिसके साथ एक्ट्रेस ने गोल्डन कलर की माला जैसा नेकलेस पहना है. बालों की चोटी बनाई हुई है और आई मेकअप डार्क किया है.

फोटोशूट ने बटोरी सुर्खियां इससे पहले मौनी इंस्टाग्राम पेज पर कुछ तस्वीरें शेयर की थीं. तस्वीरों में मौनी व्हाइट ऑफ शोल्डर शॉर्ट ड्रेस में नजर आईं. तस्वीर में मौनी क्रॉप टॉप और शॉर्ट स्कर्ट पहने समुद्र किनारे दिलकश अदाएं दिखाईं. इस दौरान वह ढलते सूरज को निहारती दिखीं. लाइट मेकअप और ओपन हेयर के साथ मौनी ने अपने लुक को कंप्लीट किया था. पोस्ट शेयर करते हुए मौनी ने कैप्शन में लिखा- 'हर दिन मुझे खुद से एक वादा करना है, मेरे बीते हुए दिनों से बहादुर बनने के लिए, संघर्ष से मजबूत बनने के लिए, तो मुझे एक बड़ा एडवेंचर मिल सकता है. जोखिम की परवाह किए बिना...'.

शादी की खबरों को लेकर चर्चा में मौनी

आपको बता दें, मौनी रॉय इन दिनों अपनी शादी की खबरों को लेकर काफी सुर्खियां बटोर रही हैं. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो वह इसी महीने की 27 तारीख को अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड सूरज नांबियार के साथ शादी करने वाली हैं. इसके लिए गोवा में शानदार आयोजन किया गया है. हालांकि एक्ट्रेस ने इसका आधिकारिक ऐलान नहीं किया है.

टीवी की इस एक्ट्रेस ने शेयर कर दी हॉट फोटो, फिर बोलीं- नहीं है योग ग्लो

अपने ग्लैमरस लुक और बोल्ड अंदाज से लोगों के दिलों की धड़कन निया शर्मा बढ़ा देती हैं. इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ जब एक्ट्रेस ने अपने नई सुपर ग्लो तस्वीर फैंस के साथ शेयर कर दी. इस तस्वीर के साथ निया ने ऐसी बात कह दी जिसे पढ़कर आप भी कहेंगे आखिर ये ग्लो आया कैसे.

गुलाबी रंग के टॉप में दिखाया डीप नेक

निया शर्मा ने अपनी इस तस्वीर को सोशल मीडिया पर शेयर किया है. इस तस्वीर में निया हल्के गुलाबी रंग का डीपनेक टॉप पहने हुए हैं. तस्वीर में एक्ट्रेस का फेस काफी ग्लैमरस और ग्लोइंग लग रहा है. अपने लुक को पूरा करने के लिए निया ने ओपन हेयर के साथ लाइट मेकअप किया है जो कि उनके लुक के साथ बेहद अच्छा लग रहा है.

बोलीं- योग से नहीं है ये ग्लो

इस तस्वीर को निया ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है. तस्वीर शेयर कर एक्ट्रेस ने लिखा- 'ये योग ग्लो नहीं है.' एक्ट्रेस की इस तस्वीर पर उनके फैंस और लगातार कमेंट्स कर रहे हैं और उनकी तारीफ कर रहे हैं.

ऑटो रिक्शा वालों के साथ किया डांस

टीवी की सुपर बोल्ड एक्ट्रेस निया शर्मा (Nia Sharma) का हाल ही में 'फूंक ले' गाना रिलीज हुआ. इस गाने का प्रमोशन करने के लिए निया हर तरीका अपना रही हैं. इस दौरान निया के एक वीडियो ने सोशल मीडिया पर खलबली मचाई. इस वीडियो में निया सड़क पर खुलेआम ऑटोरिक्शावालों के संग डांस करती दिखीं. सामने आए वीडियो में एक्ट्रेस रिलीज गाने 'फूंक ले' के हूक स्टेप्स करती नजर आईं.

Prabhas की एक्ट्रेस

पूजा हेगड़े ने बिकिनी टॉप में दिखाया ऐसा अंदाज

परफेक्ट फिगर पर टिक गई फैंस की नजर

पूजा हेगड़े (Pooja Hegde) कुछ दिनों से लगातार अपने मालदीव वेकेशन की तस्वीरें शेयर कर रही हैं. अब उन्होंने अपनी एक नई फोटो पोस्ट की है जो इंटरनेट पर जमकर वायरल हो रही है. तस्वीर में पूजा का हॉट अंदाज देखकर फैंस क्रेजी हो गए हैं.

एक्ट्रेस पूजा हेगड़े अपने फैंस को इम्प्रेस करने का कोई मौका नहीं छोड़ती हैं. वह अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें शेयर कर फैंस को चौंकाती रहती हैं. पूजा पिछले कई दिनों से अपने मालदीव वेकेशन की तस्वीरें पोस्ट कर रही हैं. अब उन्होंने अपनी एक फोटो पोस्ट की है जो इंटरनेट पर आग की तरह वायरल हो रही है. इस तस्वीर में उनका बोल्ड अंदाज देखने लायक है.

कैमरे के सामने दिया बोल्ड पोज

फोटो में पूजा बिकिनी टॉप में नजर आ रही हैं. इसके साथ ही उन्होंने पैंट पहना हुआ है जिसमें उनका बोल्ड अंदाज साफ झलक रहा है. हवा में पूजा के बाल लहरा रहे हैं और वह कैमरे के सामने खड़ी होकर हॉट पोज देती दिख रही हैं. इसके अलावा पूजा के बैकग्राउंड में समंदर का खूबसूरत नजर देखने को मिल रहा है. तस्वीर में पूजा का परफेक्ट फिगर देख फैंस की धड़कनें बढ़ गई हैं. उनका बोल्ड देखते ही बन रहा है.

कैमेंट सेक्शन में जमकर बरसी आग

इस तस्वीर को पूजा हेगड़े इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है जिस पर फैंस जमकर रिएक्शन दे रहे हैं. कमेंट सेक्शन में सबसे ज्यादा फायर इमोजी शेयर की जा रही है. इसके साथ ही कुछ लोगों ने उनके परफेक्ट फिगर की खूब तारीफ की है. पूजा के लिए फैंस की दीवानगी का पता इससे लगा सकते हैं कि उनकी तस्वीर को 6 लाख से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं.

पूजा हेगड़े की फिल्में

वर्क फ्रंट की बात करें तो इन दिनों पूजा हेगड़े फिल्म 'राधे श्याम' को लेकर चर्चा में हैं. फिल्म में वह सुपरस्टार प्रभास के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी. कुछ समय पहले फिल्म का ट्रेलर लॉन्च किया गया था जिसे जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला. हालांकि, देश में बढ़ रहे कोरोना केस के चलते फिल्म की रिलीज को कुछ समय के लिए टाल दिया गया है. यह फिल्म 14 जनवरी, 2022 को हिंदी के अलावा तेलुगू, तमिल और मलयालम जैसी भाषाओं में रिलीज होने वाली थी. लेकिन मेकर्स जल्द ही इसकी नई रिलीज डेट अनाउंस करेंगे.

रक्तचाप पर काबू के लिए खाएं पपीता

शरीर को स्वस्थ रखने में यूं तो हर फल फायदेमंद होता है लेकिन पपीता अपने गुणकारी और पोषक तत्वों के चलते सेहत को तरोताजा रखने में ज्यादा कारगर साबित होता है। पपीता में कई ऐसे पोषकतत्व होते हैं जो कई तरह के रोगों से शरीर को दूर रखते हैं। पपीता में बड़ी मात्रा में कैल्शियम, फास्फोरस, लौह तत्व, प्रोटीन और विटामिन पाए जाते हैं जो हमें रोगों से बचाते हैं। शरीर को स्वस्थ रखने में यूं तो हर फल फायदेमंद होता है लेकिन पपीता अपने गुणकारी और पोषक तत्वों के चलते सेहत को तरोताजा रखने में ज्यादा कारगर साबित होता है। पपीता में कई ऐसे पोषकतत्व होते हैं जो कई तरह के रोगों से शरीर को दूर रखते हैं। पपीता में बड़ी मात्रा में कैल्शियम, फास्फोरस, लौह तत्व, प्रोटीन और विटामिन पाए जाते हैं जो हमें रोगों से बचाते हैं। पपीता में कारपेन या कार्पेइन तत्व होता है जो रक्तचाप को नियंत्रित करता है। इसलिए बीपी के रोगी को पपीता रोजाना खाना चाहिए। पीलिया होने पर रोजाना पपीता खाएं। इससे पाचन शक्ति में भी सुधार होता है। माहवारी में अनियमितता हो तो 250 ग्राम पका पपीता कम से कम एक माह तक रोजाना खाएं। अच्छे पके हुए पपीते के गूदे को उबटन की तरह चेहरे पर लगाएं। जब यह सूख जाए तो गुनगुने पानी से चेहरा धो लें। ऐसा कम से कम एक माह तक करने से चेहरे की झुर्रियां दूर हो जाती हैं। जिन लोगों को कब्ज की शिकायत रहती है, उन्हें रात को भोजन के बाद पपीता खाना चाहिए। पपीते में पेप्सिन नामक तत्व होता है, जो भोजन को पचाने में मदद करता है। पका पपीता पाचन शक्ति को बढ़ाता है, मोटापे को नियंत्रित करता है और खट्टी डकारों की समस्या को ठीक करता है। कच्चे पपीते की सब्जी भी बनाकर खा सकते हैं।

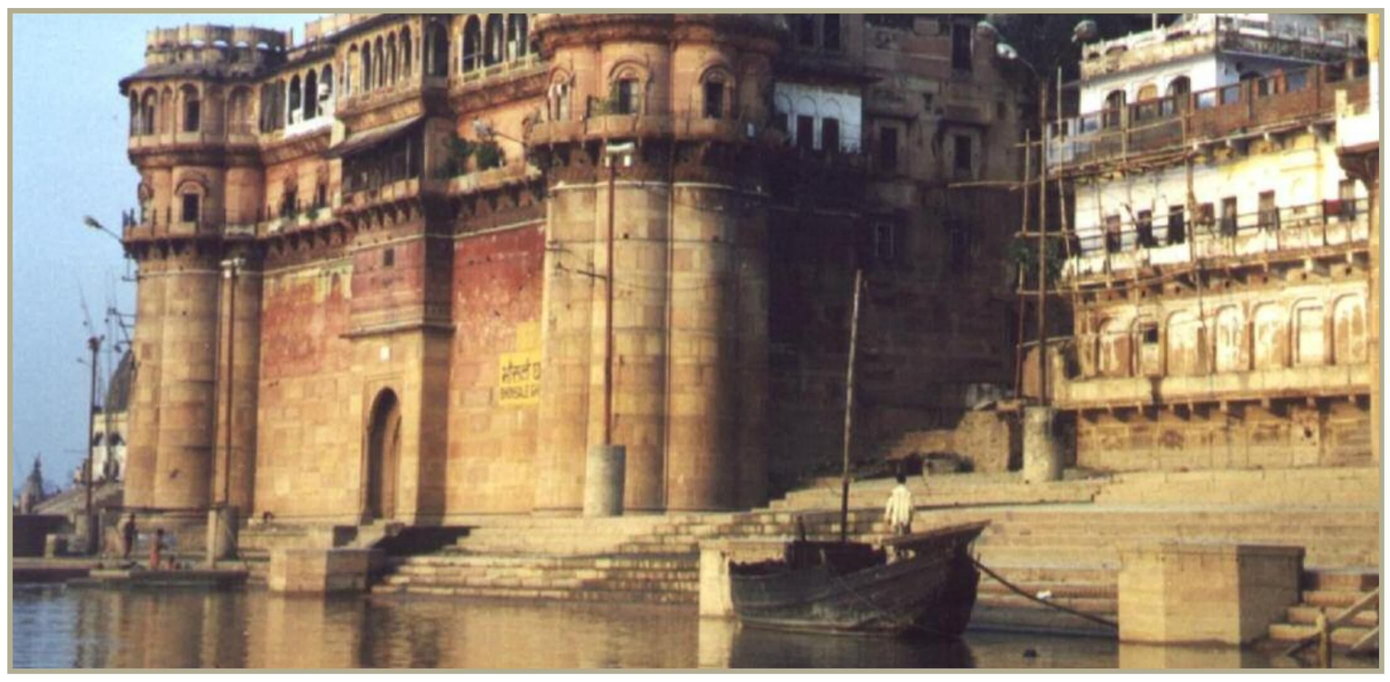

लोकप्रिय नगरी इलाहाबाद

इलाहाबाद में पर्यटकों को घूमने के लिए बहुत कुछ है। उत्तर प्रदेश के इस ऐतिहासिक शहर को देखने देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। इस शहर का उल्लेख भारत के धार्मिक ग्रन्थों में भी मिलता है। वेद, पुराण, रामायण और महाभारत में इस स्थान को प्रयाग कहा गया है। इसे तीर्थराज (तीर्थो का राजा) भी कहते हैं। गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों का यहां संगम होता है, इसलिए यह त्रिवेणी संगम कहलाता है।

पर्यटकों को यहां आकर असीम संतुष्टि मिलती है। इलाहाबाद में पर्यटकों को घूमने के लिए बहुत कुछ है। उत्तर प्रदेश के इस ऐतिहासिक शहर को देखने देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। इस शहर का उल्लेख भारत के धार्मिक ग्रन्थों में भी मिलता है। वेद, पुराण, रामायण और महाभारत में इस स्थान को प्रयाग कहा गया है। इसे तीर्थराज (तीर्थो का राजा) भी कहते हैं। गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों का यहां संगम होता है, इसलिए यह त्रिवेणी संगम कहलाता है। पर्यटकों को यहां आकर असीम संतुष्टि मिलती है।

इतिहास- प्राचीन काल में शहर को प्रयाग (बहु-यज्ञ स्थल) के नाम से जाना जाता था। ब्रह्मा ने प्रथम यज्ञ यहीं किया था और उसके बाद यहां अनगिनत यज्ञ हुए। इलाहाबाद मौर्य और गुप्त साम्राज्य से लेकर मुगल साम्राज्य तक समृद्धशाली इतिहास से भरा हुआ है। कुंभ के महान जन समूह में शामिल होने के अलावा इलाहाबाद में आपको भारतीय धर्म और संस्कृति के बारे में जानने का अवसर मिलेगा। 1931 में इलाहाबाद के अल्फ्रेंड पार्क में क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद ने ब्रिटिश पुलिस से घिर जाने पर स्वयं को गोली मारकर अपनी न पकड़े जाने की प्रतिज्ञा को सत्य किया।

इलाहाबाद के दर्शनीय स्थल

संगम- यह तीन पवित्र नदियों (गंगा, यमुना और सरस्वती) के मिलन का स्थान है। यहां वर्ष भर लाखों श्रद्धालु आते है और संगम में डुबकी लगाकर अपने आपको धन्य समझते हैं।

इलाहाबाद का किला- गंगा-यमुना के पवित्र संगम के किनारे स्थित इस भव्य किले का निर्माण अकबर ने 1583 ईसवी में बनवाया था। यह किला अपने शिल्प और निर्माण के लिए प्रसिद्ध है। यह किला तीन शानदार दीर्घाओं में बंटा हुआ है। वर्तमान में यह किला सेना द्वारा इस्तमाल किया जाता है। केवल कुछ क्षेत्र ही पर्यटकों के लिए खुले है। पर्यटकों को इसमें स्थित पातालपुरी मंदिर एवं अक्षय वट-वृक्ष तक जाने की अनुमति है। किले की बाहरी दीवार जल की सतह के ऊपर प्रतीत होती है। पर्यटकों को अशोक स्तंभ और सरस्वती कूप देखने के लिए अनुमति लेनी पड़ती है।

पातालपुरी मंदिर- इस भूमिगत मंदिर में ही अक्षय वट है। ऐसी मान्यता है कि यहां की यात्रा भगवान राम ने की थी। इस स्थान का भ्रमण ह्वेन त्सांग द्वारा भी किया गया था।

अशोका स्तंभ- अशोका स्तंभ बलुआ पत्थर का बना हुआ है। इसकी ऊंचाई 10.6 मीटर है। इस स्तंभ पर कई शिलालेख हैं। शिलालेख पर जहांगीर द्वारा फारसी में लिखवाया गया है।

हनुमान मंदिर- यह मंदिर संगम के पास है। इस मंदिर में हनुमान जी की मूर्ति है जो सारे उत्तर भारत में प्रसिद्ध है। यहां भगवान हनुमान की बड़ी मूर्ति को लेटे हुए मुद्रा में देखा जा सकता है। जब गंगा नदी में बाढ़ आती है जो यह मंदिर जलमग्न हो जाता है।

मनकामेश्वर मंदिर- यह सरस्वती घाट के पास यमुना नदी के तट पर स्थित है। यह इलाहाबाद के प्रसिद्ध शिव मंदिरों में से एक है।

मिंटो पार्क- यह सरस्वती घाट के पास स्थित है। इसमें एक पत्थर का स्मारक है इसके शीर्ष पर चार शेरो का प्रतीक लगा हुआ है। मिंटो पार्क की नींव लॉर्ड मिंटो ने 1910 में रखी थी।

स्वराज भवन- यह पुराना आनंद भवन है, जो वर्ष 1930 में मोती लाल नेहरू ने कांग्रेस समिति के मुख्यालय के रूप में इस्तेमाल करने के लिए राष्ट्र को दान कर दिया था। मोती लाल नेहरू ने इसे स्वराज भवन का नाम दिया। भारत के स्वर्गीय प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी यहां पैदा हुई थी। यह सोमवार को बंद रहता है।

आनंद भवन- यह तत्कालीन नेहरू परिवार का पैतृक घर है। इसे अब संग्रहालय में बदल दिया गया है। यह स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णय, घटनाओं का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। मुख्य भवन एक संग्रहालय है जो नेहरू परिवार की यादगार है। यह सोमवार और सरकारी छुट्टियों पर बंद रहता है।

जवाहर तारामंडल- वैज्ञानिक खगोलीय यात्रा के लिए यह तारा मंडल बनाया गया है। तारामंडल खुलने का सुबह ग्यारह बजे से चार बजे तक खुलता है। यह भी सोमवार को बंद रहता है।

साई धाम मंदिर- शिरडी साई बाबा का यह नया मंदिर एजी कार्यालय के निकट ड्रमंड रोड पर स्थित है। यहां पर्यटक बड़ी संख्या में बृहस्पतिवार को आते है।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय- भारत के सबसे प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों में से एक है। इसके परिसर में विक्टोरियन और इस्लामी स्थापत्य शैली की इमारते हैं।

इलाहाबाद संग्रहालय- इस संग्रहालय में मूर्तिकला का एक उत्कृष्ट संग्रह है। इलाहाबाद संग्रहालय चंद्र शेखर आजाद पार्क के निकट स्थित है। इलाहाबाद संग्रहालय में गुप्त साम्राज्य के समय की टेराकोटा एवं वास्तुकला की चीजें प्रदर्शीत हैं।

चंद्र शेखर आजाद पार्क- संग्रहालय से सटे इस शानदार पार्क को कंपनी बाग के रूप में जाना जाता था। यहां इमारतों के अतिरिक्त सार्वजनिक पुस्तकालय, जी.एन. झा अनुसंधान संस्थान और चंद्र शेखर आजाद की मूर्ति है। इस पार्क का नाम महान शहीद स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद के नाम पर रखा गया है।

पत्थर गिरजाघर- यह शानदार गिरजाघर 1870 में सर विलियम एमर्सन द्वारा डिजाइन किया गया और 1887 में निर्मित किया गया। इस गिरजाघर की खूबसूरती प्रत्येक आगंतुक को प्रभावित करती है।

खुसरो बाग- एक बड़ा बगीचा है जिसमें खुसरो, सम्राट जहागीर और शाह बेगम के बेटे की कब्रें स्थित हैं।

आदिवासी गांवों में जहां अंधविश्वास बड़े पैमाने पर है और इलाज की सुविधाएं बुरी हालत में हैं, नीम हकीम के भरोसे हैं वहां ये लोग स्थानीय लोगों के साथ मिलकर फ़सल बर्बाद होने, बीमारी और प्राकृतिक आपदाओं के लिए औरतों को ज़िम्मेवार ठहराने का षड्यंत्र रचते हैं। कई पिछड़े इलाकों में चुड़ैल आदि के आरोप लगाकर महिलाओं को सार्वजनिक रूप से सजा देने की प्रथाएं विद्यमान हैं। इसे भिन्न भिन्न स्थानों में भिन्न भिन्न नामों से जाना जाता है यथा चुड़ैल, डायन, डाकिनी, डाकण आदि।

अंधविश्वास और कुप्रथा के नाम पर अत्याचार

हमारे देश को आजाद हुए लगभग 70 वर्ष होने को हैं और हम 21वीं सदी में जी रहे हैं। देश के अनेकों सर्वोच्च पदों को महिलाएं सुशोभित कर रही हैं किंतु महिलाओं पर अत्याचार वाली कुप्रथाएं बदस्तूर जारी हैं। देश चाहे कितनी भी तरक्की कर रहा हो लेकिन कुछ गलत हरकतें इसकी शान में बट्टा लगा देती हैं। उत्तर भारत के कई राज्यों में 'डायन प्रथा' के जरिए महिलाओं पर लोमहर्षक अत्याचार होते रहे हैं। औरतों की ज़मीन और संपत्ति हड़पने के मक़सद से, आपसी द्वेष और यौन संबंध स्थापित करने से मना करने के कारण पड़ोसी और रिश्तेदार उन्हें डायन घोषित करने का षड्यंत्र रचते हैं। आदिवासी गांवों में जहां अंधविश्वास बड़े पैमाने पर है और इलाज की सुविधाएं बुरी हालत में हैं, नीम हकीम के भरोसे हैं वहां ये लोग स्थानीय लोगों के साथ मिलकर फ़सल बर्बाद होने, बीमारी और प्राकृतिक आपदाओं के लिए औरतों को ज़िम्मेवार ठहराने का षड्यंत्र रचते हैं। कई पिछड़े इलाकों में चुड़ैल आदि के आरोप लगाकर महिलाओं को सार्वजनिक रूप से सजा देने की प्रथाएँ विद्यमान हैं। इसे भिन्न भिन्न स्थानों में भिन्न भिन्न नामों से जाना जाता है यथा चुड़ैल, डायन, डाकिनी, डाकण आदि।

राजस्थान आदि में इसे डाकण प्रथा नाम से भी जाना जाता है। यह एक कुप्रथा है, जिसमें माना जाता है की जो महीला मन्त्र-विद्या जानती है जो छोटे बच्चों एवं नवविवाहित वधुओं को खा जाती है। विशेष रुप से यह प्रथा आदिवासियों में पाई जाती है, सबसे पहले इस प्रथा की जानकारी राजस्थान के उदयपुर जिले में खेरवाडा क्षेत्र से अंग्रेजों को मिली थी। डायन प्रथा बिहार के कई इलाकों मे आज भी सक्रिय है इसमे जादू के नाम पर औरतों की बलि दी जाती है। राष्ट्रीय महिला आयोग की हाल की रिपोर्ट के अनुसार झारखण्ड, असम, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र के 50 से अधिक जिलों में महिलाओं को डायन बता कर उन पर अत्याचार किए जाते हैं। मीडिया के कारण (भले ये उनके लिए महज टी. आर. पी. या सर्कुलेशन बढ़ने का तमाशा मात्र हो) कुछ घटनायें तो सामने आ जाती हैं पर कई ऐसी कहानियां दबकर रह जाती होंगी। बेशक ये बातें आपके-हमारे बिलकुल करीब की नहीं, गांव-कस्बों की हैं।

किसी खास समुदाय या वर्ग की हैं, पर सिर्फ इससे, आपकी-हमारी जिम्मेदारी कम नहीं हो जाती। लेकिन ये महज़ खबरें नहीं, जिन्हें एक नज़र देखकर आप निकल जाते हैं। इनमें एक स्त्री की 'चीख' है, उसका 'रुदन' है, उसकी 'अस्मिता' के तार-तार किये जाने की कहानी है, अन्धविश्वास का भंवर जिसका सब कुछ डुबो देता है और हमारा 'सभ्य' समाज इसे 'डायन' कहकर खुश हो लेता है। 'डायन', क्या इसे महज अन्धविश्वास, सामाजिक कुरीति मान लिया जाये या औरतों को प्रताड़ित किये जाने का एक और तरीका। आखिर डायन किसी स्त्री को ही क्यूं कहा जाता है? क्यूं कुएं के पानी के सूख जाने, तबीयत ख़राब होने या मृत्यु का सीधा आरोप उसपर ही मढ़ दिया जाता है? असल में औरतें अत्यंत सहज, सुलभ शिकार होती हैं क्यूंकि या तो वो विधवा, एकल, परित्यक्ता, गरीब, बीमार, उम्रदराज होती हैं या पिछड़े वर्ग, आदिवासी या दलित समुदाय से आती हैं, जिनकी जमीन, जायदाद आसानी से हड़पी जा सकती है. ये औरतें मानसिक, शारीरिक और आर्थिक रूप से इतनी कमजोर होती हैं कि अपने ऊपर होने वाले अत्याचार की शिकायत भी नहीं कर पातीं. पुलिस भी अधिकतर मामलों में मामूली धारा लगाकर खानापूर्ति कर लेती है। काला जादू या टोना-टोटका के अंधविश्वास भरे आरोप लगा कर किसी महिला को डायन बताकर मार डाला जाता है। गौरतलब है कि यह कुप्रथा सिर्फ महिलाओं पर अत्याचार करने के लिए ही बनी है। आज तक किसी पुरूष की पिशाच, राक्षस, जिन्न या भूत कहकर हत्या नहीं की गई है बल्कि उनका महिमामंडन ही किया जाता रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ की एक रिपोर्ट में बताया गया था कि भारत में 1987 से लेकर 2003 तक, 2 हजार 556 महिलाओं के हत्या की गई थी।

डायन प्रथा की आड़ में कई संगीन अपराधों को अंजाम देना हमारे समाज में आम बात है। भारत के गांवों में आज भी अंधविश्वास और रूढ़िवादिता का बोलबाला है। गांवों तथा छोटे कस्बों में अभी भी तांत्रिक, ओझा, भोपा, गुनिया तथा रसूखदार लोग अपने मतलब के लिए किसी महिला को कथित तौर पर डायन, डाकन, डकनी, टोनही आदि घोषित कर देते हैं। विडंबना यह है कि अगर किसी महिला को डायन बता दिया जाता है तो अक्सर उसके परिवार वाले, नाते-रिश्तेदार भी सामाजिक दबाव से उसका बहिष्कार कर देते हैं। वहीं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का मनोरंजन पक्ष देखें जहाँ टी वी सीरियलों में भूत, प्रेत, डायन, शक्तिशाली बाबा, चमत्कारों, अंधविश्वास और पाखंड को चमक दमक के साथ निर्बाध प्रचारित किया जा रहा है। इसके लिए कोई कानून नहीं है।महिला आयोग का कहना है कि अक्सर महिलाओं को संपत्ति से बेदखल करने, उनकी संपत्ति पर कब्जा करने, यौन शोषण का विरोध करने या पत्नी को तलाक देने के लिए इस 'प्रथा का इस्तेमाल' किया जाता है। आयोग ने राजस्थान के टोंक जिले की कमला नामक एक महिला का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे कमला के पति ने उसे 'डायन' घोषित करवा दूसरी महिला से शादी कर ली तथा उसे बुरे हाल में घर तथा गांव से निकाल दिया। गुजरात के बडोदरा, पंचमहल और दाहोद जिले डायन बताकर हत्या करने के लिए कुख्यात रहे हैं। कई मामलों में पूरा गांव ही हत्या में शामिल पाया गया है। झारखंड के रांची जिले के मांडर इलाके के कनीजिया गांव में ग्रामीणों ने 'डायन' बताकर पांच महिलाओं की लाठी-डंडे से पीट कर हत्या कर दी। इस मामले में पुलिस ने 27 लोगों को गिरफ्तार किया। झारखंड के लोहरदगा स्थित हंटरगंज में 2012 में दो परिवारों के चार लोगो की हत्या डायन बताकर की गई। झारखंड में पिछले वर्ष डायन प्रताड़ना के 1200 तो डायन हत्या के लगभग 150 मामले दर्ज हुए हैं।

कहने को तो बिहार विभाजन से पहले ही 1999 में डायन प्रथा कानून लागू हो गया था, परन्तु शिक्षा के निम्नस्तर तथा जनता के दयनीय स्वास्थ्य ढाँचे ने इसे अर्थहीन साबित कर दिया है। राँची की समाज सेविका दयामनी बालराका का कहना है कि दर्जनों ऐसे सुदूर व दुर्गम गांवों में गरीबी व अंधविश्वास की अति है क्योंकि यहाँ ग्रामीणों ने कभी कोई स्कूल या कोई डॉक्टर नहीं देखा। ये कानून का पेचीदा स्वरूप क्या समझेंगे? राजस्थान के सिरोही जिले में डायन होने के शक में भोपा ने गुजरी नामक एक महिला के हाथ पूरे गांव के सामने खौलते तेल में डलवाए। हाथ झुलसने पर सभी ने उसे डायन मान लिया और उस पर पत्थरों की बारिश शुरू कर दी। बाद में लोहे के गर्म सरिए से उसके सिर को दाग दिया गया। पुलिस ने जैसे-तैसे इस महिला को बचाया था। असम में दशकों से डायन के नाम पर ख़ौफ़नाक कहानियां सुनाई जाती रही हैं।

रोग भगाए तुलसी

तुलसी का न केवल धार्मिक बल्कि औषधीय महत्व भी हैं। कहते हैं जिस आंगन में तुलसी का पौधा होता हैं वहां परिवार स्वस्थ और खुशहाल रहता हैं। तुलसी का महत्व हमारे किचन में भी है। एशियाई और मेडिटेरेनयन खाने में तुलसी का इस्तेमाल किया जाता है। इसके पत्तों की खुशबु खाने में गजब का फ्लेवर लाती है। पास्ता, पिज्जा, करी, सूप, सॉसेज और सलाद में इसका जादू नजर आता है। तुलसी का न केवल धार्मिक बल्कि औषधीय महत्व भी हैं। कहते हैं जिस आंगन में तुलसी का पौधा होता हैं वहां परिवार स्वस्थ और खुशहाल रहता हैं। तुलसी का महत्व हमारे किचन में भी है। एशियाई और मेडिटेरेनयन खाने में तुलसी का इस्तेमाल किया जाता है। इसके पत्तों की खुशबु खाने में गजब का फ्लेवर लाती है। पास्ता, पिज्जा, करी, सूप, सॉसेज और सलाद में इसका जादू नजर आता है। बेसिल यानी तुलसी कई तरह की होती हैं। स्वीट बेसिल, थाई बेसिल, लेमन बेसिल, पर्पल बेसिल और सिनासन बेसिल। यह सब हर्ब खाने में इस्तेमाल होती है पर इनमें से कुछ का इस्तेमाल पारम्परिक चीनी और भारतीय दवाइयों में किया जाता है। हमारे घर की तुलसी का भी कम महत्व नहीं है। पवित्र पौधा होने के कारण इसकी पूजा तो होती ही है, साथ ही यह हाइपरटेंशन, सांस से संबंधित समस्याएं, डायबिटिज, घाव और दूसरी कई परेशानी में भी इस्तेमाल किया जाता है। हर्बल व्यवयासी ज्यादातर इसकी जड़ और पत्तियों का इस्तेमाल चाय के लिए करते हैं।

कभी-कभी इसे सजावट के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है। तुलसी की पत्तियों में दुर्लभ तेल मौजूद होते हैं जैसे फिमोनिन और यूजिनॉल। इनमें प्रचुर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट गुण मौजूद होते हैं। यही चीजें पौधे को बैक्टिरिया, फंगी और कीड़ों से भी बचाती है। एक अध्ययन के मुताबिक तुलसी का अर्क कई कीटाणुओं को बढ़ने से रोकने में मददगार है। सालमोनेला और ई-कोलाई, बैक्टिरिया, वायरस, हेपेटाटिस बी और एडिनोवायरस जैसे कीटाणुओं को शरीर में बढ़ने नहीं देता। तुलसी के अर्क में एंटी-इनफ्लैमॅटरी गुण, ब्लड-शुगर कम करने का गुण, प्रतिरोधक क्षमता का गुण और एंटी-कैंसर तत्व भी मौजूद होते है। एक और अध्ययन के मुताबिक दूसरे हर्ब के मुकाबले तुलसी आरेल कैंसर की कोशिकाओं को बढ़ने से भी रोकने में मदद करती है। तुलसी, पोटाशियम, विटामिन के, सी, कैल्शियम और आयरन का बेहतरीन स्रोत है। इसका सही फायदा तभी है जब आप प्रचुर मात्रा में इस हर्ब का सेवन करें। बैंगनी रंग के बेसिल में ऐथोसायनिन नामक एंटीआक्सीडेंट मौजूद होते हैं। अध्ययन में यह बात भी साबित हुई है कि तुलसी का सेवन करने से ब्लड शुगर कम होता है। कुछ लोग इसे कैपसूल के रूप में तो कुछ चाय के रूप में पसंद करते हैं। स्ट्रेस कम करने में भी बेसिल बेहद फायदेमंद है। 2012 में भारत में हफ्ते तक किए गए अध्ययन में यह पाया गया कि तुलसी स्ट्रेस के लक्षणों को कम करने में मदद करती है। यह मेमरी बढ़ाती है और मोटापा घटाने में मदद करती है। कहते हैं पवित्र तुलसी की कुछ पत्तियां हर दिन एक ग्लास पानी में डालकर पीने से दिन भर ऊर्जा बनी रहती है। वजह चाहे जो भी हो पर सच तो यह है कि तुलसी सलाद, सैंडविच, सूप और दूसरी कई रेसिपी में गजब का फ्लेवर बनाती है। अगर आपके पास ताजे बेसिल के पत्ते न हों तो सूखी पत्तियां भी इस्तेमाल कर सकते हैं। मगर जहां तक हो सके हमेशा तुलसी के ताजे पत्ते का इस्तेमाल करें।

तुलसी के अर्क में एंटी-इनफ्लैमॅटरी गुण, ब्लड-शुगर कम करने का गुण, प्रतिरोधक क्षमता का गुण और एंटी-कैंसर तत्व भी मौजूद होते है। एक और अध्ययन के मुताबिक दूसरे हर्ब के मुकाबले तुलसी आरेल कैंसर की कोशिकाओं को बढ़ने से भी रोकने में मदद करती है। तुलसी, पोटाशियम, विटामिन के, सी, कैल्शियम और आयरन का बेहतरीन स्रोत है। इसका सही फायदा तभी है जब आप प्रचुर मात्रा में इस हर्ब का सेवन करें। बैंगनी रंग के बेसिल में ऐथोसायनिन नामक एंटीआक्सीडेंट मौजूद होते हैं। अध्ययन में यह बात भी साबित हुई है कि तुलसी का सेवन करने से ब्लड शुगर कम होता है। कुछ लोग इसे कैपसूल के रूप में तो कुछ चाय के रूप में पसंद करते हैं। स्ट्रेस कम करने में भी बेसिल बेहद फायदेमंद है।

ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंडः इंग्लैंड टीम ने तीसरे दिन किया सरेंडर, ऑस्ट्रेलिया ने 4-0 जीती एशेज सीरीज

होबार्ट (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया ने पांचवें टेस्ट मैच को दो दिन शेष रहते रविवार को यहां 146 रन से जीतकर एशेज श्रृंखला में इंग्लैंड को 4-0 के प्रभावशाली अंतर से पछाड़ दिया। इंग्लैंड को चौथी पारी में जीत के लिए 271 रन का लक्ष्य मिला था लेकिन पहले विकेट के लिए जैक क्रॉले (36) और रोरी बर्न्स (26) के बीच 68 रन की साझेदारी के बावजूद टीम दिन के अंतिम सत्र में 124 रन पर आउट हो गई।

इंग्लैंड ने 56 रन के अंदर सभी 10 विकेट गंवा दिए। तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड (18 रन पर तीन विकेट) और कैमरन ग्रीन (21 रन पर 3 विकेट) अपनी पहली एशेज श्रृंखला में प्रभाव छोड़ने में कामयाब रहे। दोनों ने हरी पिच पर 6 विकेट साझा करके तीसरे दिन ही मैच ऑस्ट्रेलिया के नाम कर दिया। इंग्लैंड की पहली पारी भी महज 188 रन पर सिमट गई थी। आस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 303 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने भी 42 रन देकर 3 विकेट लिए। तीसरे दिन कुल 17 विकेट गिरे। आस्ट्रेलिया के लिए पहली पारी में 101 रन बनाने वाले ट्रेविस हेड 'मैन ऑफ द मैच' रहे।

वह श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (357 रन) भी चुने गए। इससे पहले तेज गेंदबाज मार्क वुड ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 37 रन देकर 6 विकेट लिए जिससे इंग्लैंड ने आस्ट्रेलिया की दूसरी पारी को 155 रन पर समेट दिया। आस्ट्रेलिया ने इस दिन रात्रि टेस्ट मैच के तीसरे दिन तीन विकेट पर 37 रन से आगे खेलना शुरू किया लेकिन वुड ने नाइटवाचमैन स्कॉट बोलैंड (8), अनुभवी स्टीव स्मिथ (27) और पहली पारी के शतकवीर ट्रेविस हेड (8) को आउट करके स्कोर छह विकेट पर 63 रन कर दिया। इसके बाद अलेक्स कैरी (49) और कैमरन ग्रीन (23) ने 49 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। स्टुअर्ट ब्रॉड (42 रन देकर दो) ने ग्रीन पगबाधा करके यह साझेदारी तोड़ी। वुड ने मिशेल स्टार्क (एक) को फारवर्ड शॉर्ट लेग पर कैच कराकर अपना 5वां विकेट लिया। ब्रॉड ने कैरी को अर्धशतक पूरा नहीं करने दिया जबकि वुड ने कप्तान पैट कमिन्स (13) को बोल्ड करके आस्ट्रेलियाई पारी का अंत किया। इंग्लैंड की टीम शुरुआती तीन मैच हार कर पहले ही श्रृंखला गंवा चुकी थी। सिडनी में खेला गया चौथा मैच ड्रॉ रहा था।

नोवाक जोकोविच का निर्वासन बरकरार, ऑस्ट्रेलियाई ओपन में नहीं खेल पाएंगे

मेलबर्न। (एजेंसी)।

नोवाक जोकोविच की ऑस्ट्रेलियाई ओपन में खेलने की उम्मीद रविवार को तब खत्म हो गई, जब एक अदालत ने निर्वासन के आदेश के खिलाफ दायर की गई विश्व के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी की अपील को खारिज कर दिया।

फेडरल कोर्ट के तीन जजों ने सर्बिया के 34 वर्षीय खिलाड़ी के वीजा को जनहित के आधार पर रद्द करने के आव्रजन मंत्री के शुक्रवार को लिए गए फैसले को बरकरार रखा। जोकोविच ने कोविड-19 के लिए टीकाकरण नहीं करवाया है और इस फैसले का मतलब है कि जब तक उन्हें निर्वासित नहीं किया जाता, तब तक वे मेलबर्न में नजरबंद रहेंगे। आमतौर पर निर्वासन के आदेश का मतलब व्यक्ति तीन साल तक वापस ऑस्ट्रेलिया नहीं लौट सकता है। मंत्री ने इस आधार पर वीजा रद्द कर दिया कि ऑस्ट्रेलिया में जोकोविच की उपस्थिति ऑस्ट्रेलियाई जनता के स्वास्थ्य और अच्छे आदेश के लिए जोखिमभरा हो सकता है तथा इससे ऑस्ट्रेलिया में अन्य लोगों द्वारा टीकाकरण के प्रयासों पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। जोकोविच का वीजा पहले छह जनवरी को मेलबर्न पहुंचने पर रद्द कर दिया गया था। सीमा अधिकारी ने इस आधार पर जोकोविच का वीजा रद्द कर दिया था कि उन्हें टीकाकरण के बिना आने वाले आगंतुकों के लिए ऑस्ट्रेलिया के नियमों अनुसार चिकित्सा छूट नहीं मिली है।

बीबीएल बीच में छोड़ घर लौटेंगे फखर, रउफ और शादाब, पीसीबी ने इस वजह से बुलाया वापस

मेलबर्न (एजेंसी)।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने हारिस रउफ, फखर जमान और शादाब खान को बिग बैश लीग (बीबीएल) से वापस बुला लिया गया है। पीसीबी ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की तैयारियां के लिए इन तीनों पाक खिलाड़ियों को वापस बुलाया है।

फखर की वापसी ने ब्रिस्बेन हीट को भ्रमित स्थिति में छोड़ दिया है क्योंकि उन्हें 31 दिसंबर को घायल टॉम एबेल के प्रतिस्थापन खिलाड़ी के रूप में अनुबंधित किया गया था, लेकिन वह कोविड -19 मुद्दों और यात्रा प्रतिबंधों के संयोजन के कारण उनके लिए केवल एक गेम खेलने में सफल रहे।

हीट ने कहा, दुर्भाग्य से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पुष्टि की कि उसने फखर के बीबीएल में वर्तमान में शामिल सभी पाकिस्तानी खिलाड़ियों के साथ हमारे शेष खेल खेलने के लिए अपनी अनुमति को रद्द कर दिया है और उसे पाकिस्तान सुपर लीग की तैयारी के लिए तुरंत लौटने के लिए बुलाया है।

उन्होंने कहा कि हम निराश हैं कि वह हमारे लिए नहीं खेल पाएगा और वह निराश है कि उसे हमारे लिए कुछ और खेल पाने का मौका नहीं मिलेगा। उसने हमें प्रशंसकों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देने और टीम को शुभकामनाएं देने के लिए कहा। शेष तीन मैचों के लिए सर्वश्रेष्ठ।

इससे पहले एडिलेड स्ट्राइकर्स ने अफगानिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय कर्तव्य के कारण शेष टूर्नामेंट के लिए राशिद खान को भी खो दिया जो 21 जनवरी से शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में नीदरलैंड से खेलते दिखेंगे।

कौन होगा भारतीय टेस्ट टीम का नया कप्तान, यह 3 खिलाड़ी रेस में सबसे आगे

मुंबई (एजेंसी)।

विराट कोहली के टेस्ट कप्तानी से अचानक इस्तीफा देने के बाद भारतीय चयनकर्ताओं को टेस्ट कप्तान चुनने का एक बड़ा निर्णय लेना है। हालांकि उनके पास रोहित शर्मा के रूप में एक स्पष्ट विकल्प मौजूद है, जो इससे पहले टी20 और वनडे की कप्तानी संभाल चुके हैं। लेकिन कई और दावेदार हैं जिनके बारे में चर्चा हो रही है और जिन्हें कप्तान बनाया जा सकता है।

कप्तानी की दौड़ में रोहित इस दौड़ में सबसे आगे हैं। साउथ अफ्रीका दौरे के लिए टेस्ट दल की घोषणा करते वक्त चयनकर्ताओं ने अजिंक्य रहाणे की जगह रोहित को ही उपकप्तान बनाया था। हालांकि चोटिल होने के कारण वह इस दौरे पर नहीं जा सके और उनकी जगह फिर लोकेश राहुल को उपकप्तान बनाया गया। जनवरी, 2021 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम में वापसी करने के बाद रोहित ने अपने आप को टेस्ट टीम में स्थापित किया है। वह तब से टीम के लिए निरंतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी हैं। उन्हें हाल ही में भारत की सीमित ओवर टीमों का कप्तान भी बनाया गया है।

वर्तमान विश्व टेस्ट चैंपियनशिप, 2023 के वनडे विश्व कप और इस वर्ष होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए चयनकर्ता यह फैसला ले सकते हैं कि रोहित ही तीनों फॉर्मेट में टीम की कप्तानी करें। हालांकि पूरे करियर के दौरान रोहित को फिटनेस की समस्या रही है। 2010 में जब उन्हें टेस्ट डेब्यू करना था, तब वह फुटबॉल खेलते-खेलते अपना पैर मोड़ बैठे। इसके बाद वह लगातार हैमस्ट्रिंग या घुटने की चोट से भी परेशान रहे हैं। इसके अलावा यह सवाल भी उठता है कि क्या वह तीनों फॉर्मेट की कप्तानी का भार एक साथ उठा पाएंगे और क्या कप्तानी के दबाव में उनकी बल्लेबाज़ी प्रभावित नहीं होगी?

वहीं रोहित की उम्र भी 34 साल है, जो उनके खिलाफ जा सकती है। विराट के चोटिल होने के बाद भारत-दक्षिण अफ्रीका सीरीज़ के दूसरे टेस्ट में पहली बार राहुल ने कप्तानी का भार संभाला। राहुल के टेस्ट करियर में महत्वपूर्ण मोड़ तब आया, जब उन्हें मयंक अग्रवाल के चोटिल होने पर इंग्लैंड दौरे पर ओपनर बनाया गया। वह इस दौरे पर भारत के लिए दूसरे सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज़ बने। दक्षिण अफ्रीका दौरे पर भी उन्होंने पहले टेस्ट में शतक बनाया।

29 वर्षीय राहुल की उम्र उनके साथ है। उन्होंने आईपीएल क पिछले दो सीज़न में पंजाब किंग्स की कप्तानी की है और इस दौरान उनकी बल्लेबाज़ी बिल्कुल भी प्रभावित नहीं हुई है। इसलिए 2020 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्हें वनडे टीम का उपकप्तान बनाया था। अब वह रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में दक्षिण अफ्रीका में भी टीम की अगुवाई करेंगे। राहुल को बल्लेबाज़ी करते देखना दर्शनीय होता है, लेकिन उनके करियर में भी कई दौर ऐसे आए हैं, जब वह ख़राब बल्लेबाज़ी तकनीक के कारण परेशान रहे। राहुल शीर्ष और मध्य क्रम में कही भी बल्लेबाज़ी कर सकते हैं। हालांकि राहुल के पास लाल गेंद की कप्तानी का अधिक अनुभव नहीं है। वहीं पंजाब किंग्स के लिए भी कप्तानी करते हुए उनका रिकॉर्ड बहुत अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने 27 मैच में से 15 मैच गंवाए हैं।

कप्तानी के तीसरे दावेदार ऋषभ पंत अभी सिर्फ 24 साल के हैं, लेकिन तीनों फॉर्मेट में उनकी जगह पक्की है। वह विकेट के पीछे चतुर, चपल और चंचल तो विकेट के सामने आक्रामक हैं। उनकी बल्लेबाज़ी करने की अपनी तकनीक है और उन्हें ऐसे नैसर्गिक और विशेष प्रतिभा के रूप में जाना जाता है, जो दशकों में पैदा होती है। वह आलोचना से भी नहीं प्रभावित होते हैं और बल्ले से इसका जवाब देते हैं। उनके नाम अब ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका में शतक भी है। अनुभव की कमी सबसे अधिक उनके खिलाफ है। वह आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के लिए कप्तानी करते हैं, लेकिन उन्हें टीम इंडिया के लिए कभी भी कप्तानी या उपकप्तानी का अनुभव नहीं प्राप्त है। हालांकि भविष्य को देखते हुए चयनकर्ता उन्हें उपकप्तान बना सकते हैं।

सात्विक-चिराग की जोड़ी पहली बार बनी इंडिया ओपन चैम्पियन

नई दिल्ली। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी इंडोनेशिया के तीन बार के विश्व चैंपियन मोहम्मद अहसान और हेंड्रा सेतियावान की जोड़ी पर सीधे गेम में शानदार जीत दर्ज करते हुए रविवार को यहां योनेक्स-सनराइज इंडिया ओपन जीतने वाली देश की पहली पुरुष युगल जोड़ी बन गई। विश्व रैंकिंग में 10वें स्थान पर काबिज इस भारतीय जोड़ी ने शीर्ष वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया की जोड़ी को 43 मिनट में 21-16 26-24 से हराकर नये सत्र की शानदार शुरुआत की। इस भारतीय जोड़ी इससे पहले 2019 में थाईलैंड में अपना पहला सुपर 500 टूर्नामेंट जीता था। इस मैच से पहले इंडोनेशिया की इस जोड़ी के खिलाफ सात्विक और चिराग चार मुकाबलों में सिर्फ एक जीत दर्ज कर सके थे। कोविड-19 जांच में गलत पॉजिटिव नतीजे के कारण टूर्नामेंट से बाहर होने के खतरे का सामना करने के बाद इस जोड़ी ने खिताब जीतकर मजबूत मानसिकता का परिचय दिया है। इस जीत से वे व्यस्त सत्र से पहले महत्वपूर्ण रैंकिंग अंक हासिल करने में सफल रहे। यह रैंकिंग अंक राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों जैसे आयोजन के लिए क्वालीफाई करने के लिए अहम होंगे। दोनों की जोड़ी 2019 में थाईलैंड ओपन में जीत दर्ज करने के साथ फ्रेंच ओपन सुपर 750 (2019) के फाइनल में पहुंची थी। दोनों ने 2018 में हैदराबाद ओपन सुपर 100 टूर्नामेंट में जीत दर्ज की थी। इस जोड़ी ने सैयद मोदी इंटरनेशनल में उपविजेता रहने के अलावा गोल्ड कोस्ट राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक अपने नाम किया था। भारतीय जोड़ी ने पिछले साल तोक्यो ओलंपिक के लिए भी क्वालीफाई किया था, लेकिन तीन में से दो मुकाबले जीतने के बावजूद वे ग्रुप चरण को पार नहीं कर पाए थे।

विराट के फैसले का सम्मान करती है चयन समिति : बीसीसीआई

मुम्बई । विराट कोहली के टेस्ट टीम की कप्तानी से दिये इस्तीफे से जहां हर कोई हैरान है। वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसका स्वागत करते हुए कहा है कि यह विराट का अपना फैसला है जिसका सम्मान किया जाना चाहिये। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली, बोर्ड सचिव जय शाह ने अपने ट्वीट में कप्तान के तौर पर विराट के करियर और उनकी उपलब्धियों को लेकर बधाई भी दी थी। वहीं अब बीसीसीआई की ओर से विराट को लेकर एक और बयान आया है। इसमें कहा गया है कि बीसीसीआई कोहली को बतौर टेस्ट टीम के कप्तान उनके करियर पर बधाई देता है। बोर्ड के साथ ही चयन समिति कोहली के इस फैसले का पूरी तरह से सम्मान करती है।
बीसीसीआई ने साथ ही कहा, 'विराट भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे सफल टेस्ट कप्तान रहे हैं। विराट ने 68 टेस्ट मैच में कप्तानी की, जिसमें 40 में उन्हें जीत मिली। इस दौरान विराट की जीत प्रतिशत 58.82 फीसदी रहा है। विराट की कप्तानी में भारतीय टीम ने अपनी पहली सीरीज़ श्रीलंका में जीती थी। बोर्ड ने यह भी कहा कि विराट की कप्तानी में भारतीय टीम ने साल 2018 में ऑस्ट्रेलिया में ऐतिहासिक सीरीज़ हासिल की थी। इसके अलावा वेस्टइंडीज़ हराकर टेस्ट में नंबर-1 का स्थान करने के बाद विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में भी स्थान बनाया था। गांगुली ने बयान दिया है कि मैं कोहली का उनके टेस्ट टीम के कप्तान के तौर पर योगदान के लिए शुक्रिया कहना चाहता हूं! उनकी कप्तानी में भारत ने क्रिकेट के हर प्रारुप में सफलता हासिल की है। यह उनका निजी निर्णय है और बीसीसीआई उसका सम्मान करता है।

मांजरेकर का बड़ा बयान, कोहली को लग रहा था कि उनकी कप्तानी खतरे में है

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने विराट कोहली के भारत टेस्ट कप्तानी छोड़ने की वजह बताते हुए कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में हार के बाद इस शानदार बल्लेबाज ने अपनी कप्तानी को लेकर सुरक्षित महसूस नहीं किया होगा। भारत के केपटाउन में तीसरे और अंतिम टेस्ट में सात विकेट से हार के साथ दक्षिण अफ्रीका से श्रृंखला 1-2 से हारने के एक दिन बाद विराट कोहली ने टेस्ट टीम के कप्तान के रूप में पद छोड़ दिया।

कोहली द्वारा अपने फैसले की घोषणा के बाद कई मौजूदा और पूर्व क्रिकेटरों ने उन्हें टेस्ट टीम को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए बधाई दी। हालांकि मांजरेकर ने बताया कि कप्तान के रूप में कोहली का कार्यकाल बहुत जल्दी सभी प्रारूपों में समाप्त हो गया। उन्होंने कहा कि यह एक के बाद एक बहुत ही कम समय में सफेद गेंद की कप्तानी और आईपीएल कप्तानी भी छोड़ दी है। यह भी अप्रत्याशित था लेकिन यह दिलचस्प है कि तीनों महत्वपूर्ण पदों के इस्तीफे एक के बाद एक बहुत जल्दी आए हैं।

मांजरेकर ने कहा कि विराट कोहली नहीं चाहते कि कोई उन्हें कप्तानी से बर्खास्त करे इसलिए उन्होंने पहले ही इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह किसी तरह से खुद को कप्तान के रूप में आईडल बनाना चाहता है। जब उसे लगता है कि उसकी कप्तानी खतरे में है तो वह पद छोड़ देते है। कोहली ने पहली बार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2014 में एडिलेड टेस्ट में भारत की कप्तानी की थी।

कोहली ने भारत के लिए खेल के सबसे लंबे प्रारूप में सबसे सफल कप्तान के रूप में टेस्ट कप्तानी से इस्तीफा दे दिया। कप्तान के रूप में उनके समय के दौरान भारत ने 68 टेस्ट खेले, जिसमें 40 जीते, 17 हारे और 11 मैच ड्रॉ रहे। उनका जीत प्रतिशत 58.82 था और उनके कार्यकाल के दौरान टीम ने विदेशी और घरेलू परिस्थितियों में यादगार जीत दर्ज की। इसका मतलब यह भी है कि केपटाउन टेस्ट भारत के कप्तान के रूप में कोहली के लिए आखिरी मैच था।

रूस की कामिला वलीवा ने आईएसयू फिगर स्केटिंग चैंपियनशिप जीती

तालिन। रूसी फिगर स्केटर कामिला वलीवा ने तालिन में अंतररष्ट्रीय स्केटिंग संघ की यूरोपीय फिगर स्केटिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनके ही देश दो स्केटरों ने रजत और कांस्य पदक जीता। 15 वर्षीय स्केटर ने अपने शानदार शॉर्ट और फ्री स्केटिंग रूटीन से संयुक्त 259.06 अंक हासिल किए। वहीं मौजूदा विश्व चैंपियन फिगर स्केटर अन्ना शचरबकोवा 237.42 अंकों के साथ दूसरे, एलेक्जेंड्रा ट्रुसोवा 234.36 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

जूनियर महिला शिविर के लिये 66 खिलाड़ियों का एलान, हॉकी इंडिया ने की घोषणा

नयी दिल्ली। हॉकी इंडिया ने आगामी विश्व कप के लिये खिलाड़ियों के चयन को ध्यान में रखते हुए सोमवार से बेंगलुरू में भारतीय खेल प्राधिकरण में शुरू होने वाले जूनियर महिला राष्ट्रीय शिविर के लिये 66 खिलाड़ियों को चुना है। खिलाड़ियों का चयन 2021 में हॉकी इंडिया द्वारा मान्यता प्राप्त घरेलू जूनियर प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। महासंघ ने मीडिया विज्ञप्ति में कहा कि शिविर कोर संभावित खिलाड़ियों के चयन को ध्यान में रखकर लगाया जायेगा। शिविर की अहमियत बताते हुए भारतीय महिला टीम की मुख्य कोच यानेके शॉपमैन ने कहा कि खिलाड़ियों का चयन जूनियर विश्व कपको ध्यान में रखकर किया गया है जो अप्रैल में दक्षिण अफ्रीका में खेला जायेगा जिसे देश में ओमीक्रोन वैरिएंट के मामले बढ़ने के बाद स्थगित कर दिया गया था। उन्होंने कहा, ''खिलाड़ियों का चयन सिर्फ इस साल होने वाले आगामी जूनियर महिला टूर्नामेंट को ध्यान में रखते हुए ही नहीं बल्कि 2023 में होने वाले अगले विश्व कप और 2028 ओलंपिक खेलों को ध्यान में रखते हुए किया गया है। '' शॉपमैन ने कहा, ''हम टूर्नामेंट में अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम भेजना चाहते हैं और अभी हमें अतिरिक्त समय मिल गया है तो यह शिविर उन खिलाड़ियों को पहचानने में हमारी मदद करेगा जो भविष्य में बड़े मंच पर अपनी प्रतभा दिखा सकते हैं। ''

शीतकालीन ओलंपिक के लिए सख्त हुआ चीन, खिलाड़ियों को कड़े गाइडलाइंस से गुजरना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बीजिंग में शीतकालीन ओलंपिक खेलों का आगमन होने वाला है लेकिन उससे पहले ही ओमिक्रोन का पहला मामला सामने आ गया है। इसकी जानकारी स्थानीय मीडिया में दी गयी है। संक्रमित व्यक्ति शहर के हेदियान के उत्तरी पश्चिमी जिले में रहता है। हालांकि वह पिछले दो हफ्तों से बीजिंग से बाहर नहीं गया है।संक्रमण की यह खबर शीतकालीन ओलंपिक खेलों के शुरू होने से तीन हफ्ते से भी कम समय पहले आयी है जिसका उद्घाटन चार फरवरी को होगा। चीन में अभी तक कई शहरों में ओमिक्रोन संक्रमण की खबरें आयी हैं लेकिन शीतकालीन ओलंपिक खेलों को लेकर बीजिंग में काफी सख्ती बरती जा रही है।

बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक के लिए चीन सरकार काफी सख्त हो गई है। कोरोना के नियमों का पूरा पालन किया जाएगा और दिशा-निर्देश पर भी पूरा ध्यान रहेगा।अंग्रेजी मीडिया वेबसाइट इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, एथलीटों को टीकाकरण की आवश्यकता होगी।बता दें कि इन एथलीटों का प्रतिदिन परीक्षण किया जाएगा और साथ ही मास्क पहनने का आदेश जारी किया गया है। अगर कोई खिलाड़ी कोविड -19 पॉजिटिव पाया जाएगा तो उसे आइसोलेशन के लिए में भेज दिया जाएगा।

शीतकालीन ओलंपिक तोक्यों खेलों से भी ज्यादा सख्त होने वाले है। प्रोटोकॉल का पूरा ध्यान रखा जाएगा। 4 फरवरी से शुरू होने वाले इन खेलों के बीच चीन के कई शहरों में 20 मिलियन से अधिक लोग लॉकडाउन में हैं।

एथलीटों और टीम के कर्मचारियों और मीडिया सहित अन्य प्रतिभागियों को 21 दिन क्वारांटाइन में रहना होगा। इसके अलावा सभी प्रतिभागियों को अपनी कोरोना की नेगिटिव रिपोर्ट भी देनी होगी। इस बीच आयोजकों का कहना है कि, अगर कोई एथलीट या प्रतिभागी कोरोना पॉजिटिव पाया जाता है लेकिन कोई लक्षण नजर नहीं आते है तो उन्हें आइसोलेशन में जाना होगा। इस बीच इन्हें भोजन उपलब्ध कराया जाएगा और ताजी हवा के लिए वह होटल की खिड़कियां भी खोल सकते हैं। लेकिन कोई भी कमरे से बाहर नहीं जा पाएगा। इसके अलावा खिलाड़ी फिटनेस उपकरण का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। बिना लक्षण वाले लोग दो दिन के निगेटिव टेस्ट के बाद आइसोलेशन छोड़ सकते हैं।